www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000kg

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के लिए सुनहरा अवसर

पाकिस्तानी आर्मी चीफ की धमकी - जामनगर रिफाइनरी को उड़ा देंगे 06

वर्ष :17 | अंक :133 | प्रयागराज , बुधवार , 13 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़, 5 गिरफ्तार

पंजाब पुलिस ने मंगलवार को राजस्थान से पाँच लोगों को गिरफ्तार करके आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। यह नेटवर्क पाकिस्तान स्थित बीकेआई के कार्यकर्ता हरविंदर रिंदा के निर्देशों पर काम कर रहा था। टोंक और जयपुर ज़िलों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हुई गोलीबारी में पाँच आरोपियों में से एक घायल हो गया। आतंकवादी स्वतंत्रता दिवस के दौरान शहीद भगत सिंह नगर और पंजाब के अन्य स्थानों पर हमले की योजना बना रहे थे। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस ऑपरेशन की जानकारी दी। पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, काउंटर इंटेलिजेंस, जालंधर ने @रइरठँ१ पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान में पाकिस्तान स्थित बीकेआई के एक आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह नेटवर्क विदेशी हैंडलर मन्नू अगवान, गोपी नवाशहरिया और जीशान अख्तर द्वारा संचालित किया जा रहा था,

एमबीबीएस छात्रा से छेड़छाड़, 3 पूर्व छात्र गिरफ्तार

ओडिशा से लेकर कोलकाता तक विश्वविद्यालयों में महिला सुरक्षा आज के समय में एक बड़ा मुद्दा बन गया है। जहां हाल ही में ओडिशा में एक छात्रा ने जिस तरह से आत्मदाह किया एक सरकार और यूनिवर्सिटी पर बड़े सवाल खड़े करता है। अब छात्रा से छेड़छाड़ का ताजा मामला वाराणसी से आया है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के तीन पूर्व विद्यार्थियों को मंगलवार तड़के इस शिक्षण संस्थान के परिसर में एमबीबीएस छात्रा से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। काशी क्षेत्र के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गौरव बंसवाल ने बताया कि कथित घटना मंगलवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे की है जब छात्रा अपनी सहेलियों के साथ पुस्तकालय से अपने छात्रावास लौट रही थी। बंसवाल के अनुसार मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने कथित तौर पर छात्रा से छेड़छाड़ करने और उसके साथ मारपीट करने की कोशिश की। छात्रा की एक साथी द्वारा दर्ज कराई गई लिखित शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। बंसवाल ने कहा, तीनों आरोपी बीएचयू के पूर्व छात्र हैं और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

मकबरे पर भगवा लहराने पर विधानसभा में हंगामा

माता प्रसाद बोले- भाजपा दंगा कराना चाहती है, हम झुकेंगे नहीं; जोरदार नारेबाजी

हंगामा

▶▶ नेता प्रतिपक्ष को वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना की दो टूक, हर हाल में मेंटेन रहेगा लॉ एंड ऑर्डर 10 नामजद, 150 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज, भारतीय न्याय संहिता व विशेष कानूनों के तहत की जाएगी कार्रवाई

एजेंसी

लखनऊ : फतेहपुर में हाल ही में घटी घटना को लेकर विपक्ष के सवालों के बीच यूपी विधानसभा में मंगलवार को वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार और उसका कोई भी तंत्र इस घटना में किसी भी प्रकार से शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जो भी कानून अपने हाथ में लेगा उसको सख्त सजा देने का काम हमारी सरकार करेगी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के सवाल का जवाब देते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि इस घटना में सरकार का और सरकारी तंत्र का कोई इनवॉल्वमेंट नहीं है, इसका हम पूरी तरह से खंडन करते हैं। उन्होंने कहा कि घटना के तुरंत बाद 11 अगस्त को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। इस एफआईआर में 10 नामजद आरोपियों के अलावा 150 अज्ञात लोगों को भी शामिल किया गया है। इन सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं – धारा 190, 191 (2), 191(3), 301, 196 के साथ ही आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम-7 और सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा-2,3 के तहत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये धाराएं इस बात का संकेत हैं कि सरकार इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रही है और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। सुरेश खन्ना ने कहा कि घटना के संबंध में दर्ज की गई रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सरकार अपना काम कर रही है। इसमें कानून अपना काम कर रहा है ।

▶▶ कौशांबी से विधायक पल्लवी पटेल सदन के अंदर का वीडियो बना रही थीं। यह देखकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना नाराज हो गए।

सपा विधायक बोले- शिक्षामित्र की पत्नी छोड़ गई

सपा विधायक समरपाल ने कहा- मैं एक गांव गया तो वहां शिक्षामित्र रोने लगा। बोला, इतना कम मानदेय (वेतन) मिलता है कि पत्नी छोड़कर चली गई। शिक्षा मंत्री संदीप सिंह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप कल्याण सिंह के पौत्र हैं। वे शिक्षक थे। आप शिक्षामित्रों का वेतन बढ़ा दें। उनकी आत्मा ऊपर से आशीर्वाद देगी कि मेरा बेटा नहीं बढ़ा सका। मेरे पोते ने मानदेय बढ़ा दिया। इस पर संदीप सिंह ने जवाब दिया कि सरकार का अभी शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाने का कोई विचार नहीं है। विधायक समरपाल ने पलटवार करते हुए कहा- ये स्कूल का मर्जर बंद नहीं करेंगे, तो जनता इनका मर्जर कर देगी।

स्वतंत्र देव सपा विधायक से बोले- बीवी की कसम खाओ

प्रश्नकाल में सपा विधायक मो. फहीम इरफान और मंत्री स्वतंत्र देव आपस में उलझ गए। फहीम ने कहा कि जल-जीवन मिशन के गांवों में आधे काम हुए हैं। गांवों में पानी नहीं आ रहा। पानी की टंकियां गिर रही हैं। जलशक्ति मंत्री ने जो जवाब दिए, वो झूठे हैं। इस पर मंत्री स्वतंत्र देव झल्ला गए। वह सीट से उठे और कहा, विधायक अपनी बीवी की कसम खा लें कि गांव में पानी नहीं आ रहा। आप पश्चिम यूपी का कोई भी जिला चुन लें। वहां गांव में पानी नहीं आ रहा होगा, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। विधायक सरपंच को कॉल करें।

वोटर वेरिफिकेशन : पिक्चर अभी बाकी है

राहुल ने कहा- पिक्चर अभी बाकी है: एक नहीं, कई सीटों की वोटर लिस्ट में गड़बड़ी, ये नेशनल लेवल पर किया जा रहा

“ गांधी ने चुनाव आयोग पर अपने कर्तव्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति, एक वोट संविधान की नींव है।

एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत को लागू करने का अपना कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगाया और मतदाता सूची में अनियमितताओं के दावों का हवाला देते हुए कहा कि अभी पिक्चर बाकी है। गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा में लगी हुई है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। राहुल गांधी ने भारत के चुनाव आयोग की तीखी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को लागू करने में विफल रहा है, जिसे उन्होंने संविधान की नींव बताया। गांधी ने चुनाव आयोग पर अपने कर्तव्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति, एक वोट संविधान की नींव है। एक व्यक्ति, एक वोट को लागू करना चुनाव आयोग का कर्तव्य है, लेकिन उन्होंने अपना कर्तव्य नहीं निभाया है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं, और हम इसे करते रहेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि सिर्फ.एक सीट नहीं है (जहाँ 'वोट चोरी' हो रही है), बल्कि कई सीटें हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। चुनाव आयोग इसे जानता है और हम भी इसे जानते हैं।

राहुल बोले- बेजुबान पशु कोई समस्या नहीं, उन्हें हटाना क्रूरता

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये दशकों से चली आ रही मानवीय और साइंटिफिक पॉलिसी से पीछे ले जाने वाला कदम है। ये बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं, जिन्हें हटाया जाए। राहुल ने पर लिखा, "शेल्टर्स, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल अपनाया जाना चाहिए। इससे बिना क्रूरता के भी डॉग्स को सुरक्षित रखा जा सकता है। पूरी तरह पाबंदी क्रूर-अदूरदर्शी है और हमारी दया-भावना को खत्म करता है। हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों कैसे साथ-साथ चलें।"

4 नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

सरकार 4,594 करोड़ रुपए निवेश करेगी

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने जिस तेजी से सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में कदम बढ़ाए हैं, वह न केवल देश की औद्योगिक क्षमताओं में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है, बल्कि वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका को भी मजबूती देगा। आज केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत चार नई परियोजनाएँ इस दिशा में एक निर्णायक कदम हैं। हम आपको बता दें कि ओडिशा के भुवनेश्वर में सिलिकॉन कार्बाइड आधारित सेमीकंडक्टर इकाई की स्थापना रक्षा, अंतरिक्ष, सैटेलाइट और रेल इंजन जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में स्वदेशीकरण को प्रोत्साहन देगी। वहीं, 3ऊ ग्लास इकाई का निर्माण एयरोस्पेस, रडार और वायरलेस तकनीक के लिए आवश्यक उच्च गुणवत्ता वाले घटकों की घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा, पंजाब के मोहाली और आंध्र प्रदेश में स्थापित होने वाले उन्नत सेमीकंडक्टर प्लांट भारत को उच्च क्षमता वाली चिप उत्पादन क्षमता प्रदान करेंगे, जिससे आयात पर निर्भरता घटेगी और निर्यात के अवसर बढ़ेंगे।

“ यह स्पष्ट है कि मोदी सरकार का लक्ष्य केवल विनिर्माण इकाइयाँ खड़ी करना नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम खड़ा करना है—जिसमें डिजाइन, उत्पादन, परीक्षण और पैकेजिंग से लेकर उच्च स्तरीय अनुसंधान तक सभी चरण शामिल हों।

कैबिनेट ने 2 बड़े प्रोजेक्ट्स को भी मंजूरी दी

- सरकार ने नेशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन को और ताकत देने के लिए 20,000 करोड़ रुपए का स्पेशल फंड दिया है। इस फंड का इस्तेमाल रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स जैसे सोलर, विंड, ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश के लिए किया जाएगा।
- नेशनल क्लीन इन्वेस्टमेंट लिमिटेड को क्लीन टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव स्टोरेज के लिए 7,000 करोड़ रुपए की नई पूंजी मिलेगी। इससे नई तकनीक, इनोवेटिव एनर्जी स्टोरेज, बैटरी, स्मार्ट ग्रिड में इन्वेस्टमेंट किया जाएगा।

लोकसभा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पैनल की रिपोर्ट की समय सीमा बढ़ाई

एजेंसी

लोकसभा ने मंगलवार को 'एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक' पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट की समय सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस विस्तार से समिति 2025 के शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगी। यह प्रस्ताव एक राष्ट्र, एक चुनाव समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने पेश किया। उन्होंने सदन से आग्रह किया कि संयुक्त संसदीय समिति को संविधान विधेयक, 2024 पर अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने और प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया जाए। यह विधेयक पहली बार दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किया गया था और बाद में विस्तृत जाँच के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति को भेजा गया था। प्रस्ताव में कहा गया था: श्यह सदन संविधान (एक सौ उनतीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश विधियाँ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर संयुक्त समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाकर शीतकालीन सत्र, 2025 के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक करे। श्इस बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जाँच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की।

पाक सेना प्रमुख की धमकी पर भड़के औवैसी

एजेंसी

पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की 'परमाणु' धमकियों पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को कहा कि भारत के खिलाफ इस्तेमाल की गई भाषा निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी धरती से यह टिप्पणी करना स्थिति को और खराब करता है। असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार से राजनीतिक प्रतिक्रिया के साथ जवाब देने का आग्रह किया। ओवैसी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत के खिलाफ धमकियाँ और भाषा निंदनीय है। उन्होंने अमेरिकी धरती से ऐसा किया

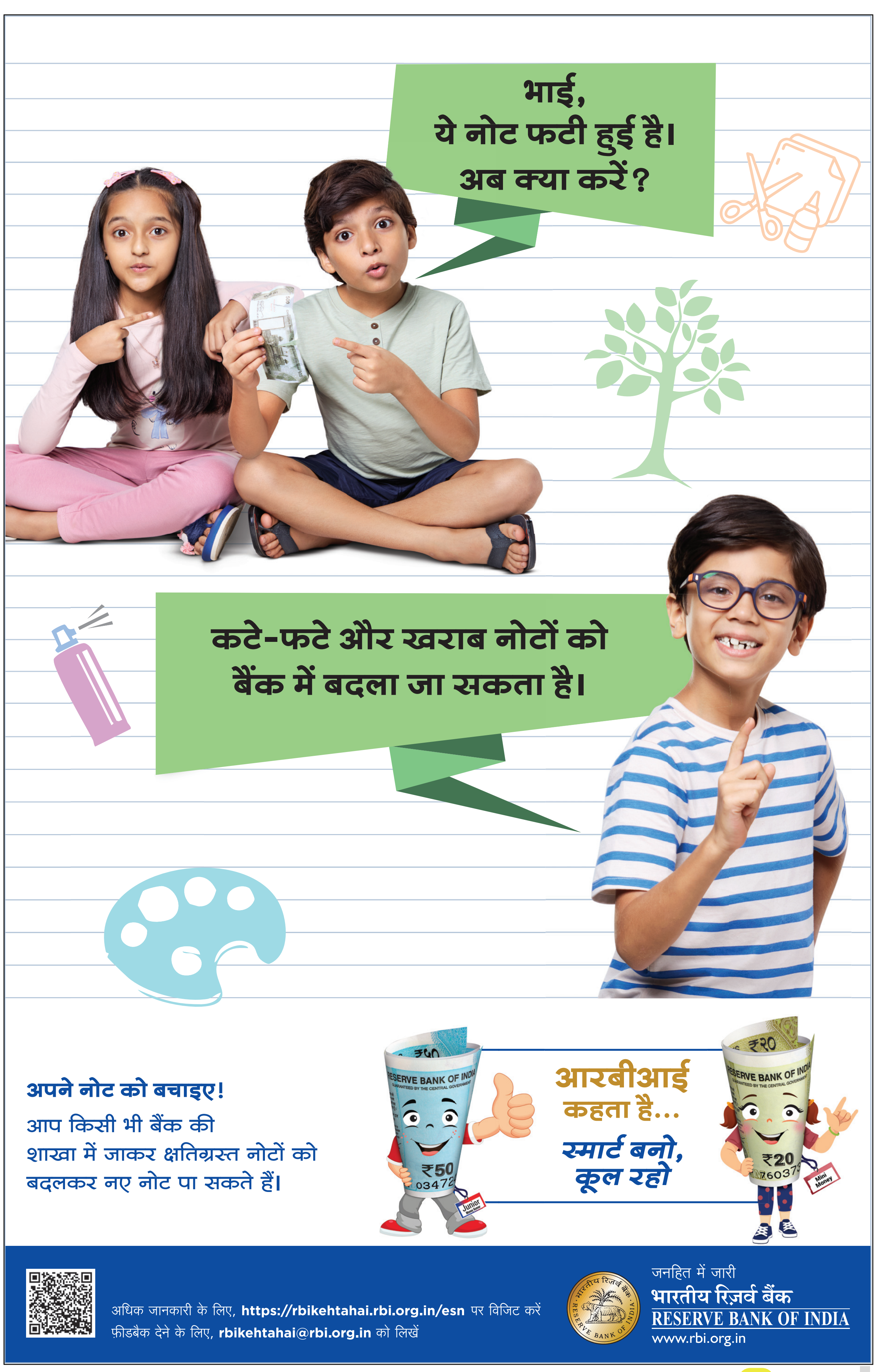

हंगामा

जेपी नड्डा बोले- स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता विपक्ष

एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर राज्यसभा में हंगामा

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का विरोध किया, जब उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाने की कोशिश की। पहले के स्थगन के बाद दोपहर 3 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही, अध्यक्ष पद पर आसीन बीजद सदस्य सस्मित पात्रा ने कहा कि सूचीबद्ध कार्य पर विचार किया जाएगा और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को सदन में पारित करने के लिए पेश किया। विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष से सदन में विपक्ष के नेता खड़गे को बोलने की अनुमति देने का आग्रह किया। खड़गे ने एसआईआर पर बोलने की मांग की और दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, गरीबों और हाशिए पर पड़े वर्गों के वोटों पर इसके प्रभाव के बारे में आरोप लगाए। उन्होंने मोदी सरकार पर भी आरोप लगाए। विपक्षी सदस्यों ने एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया। सदन के नेता जेपी नड्डा ने खड़गे की टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि विपक्ष स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता। नड्डा ने जोर देकर कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन नियमों के अनुसार। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बाधा और अराजकता की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि विपक्ष का व्यवहार सदन के सुचारू संचालन में बाधा डालने की एक साजिश है। वे स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते। 21 जुलाई को सरकार ने कहा था कि वह किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन नियमों के अनुसार। नड्डा ने सभापति से आग्रह किया कि विपक्ष के नेता द्वारा दिए गए राजनीतिक बयान को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता ने व्यवस्था का प्रश्न उठाया, लेकिन उन्होंने उस पर चर्चा नहीं की, बल्कि उन्होंने 'श्रीमान' पर चर्चा की और एक राजनीतिक बयान दिया। मैं आग्रह करता हूँ कि इसे सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। क्योंकि यह संसद के नियमों और विनियमों के अनुरूप नहीं है। वे (विपक्ष) हमेशा नियम 267 के तहत 'श्रीमान' पर चर्चा की मांग करते हैं,

सम्पादकीय

एकता की मिसाल हैं भारतीय भाषाएं, यही राष्ट्र को 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' बनाती है

भारतीय भाषाओं में मूलभूत एकता भी रही है। तमिल और उर्दू को छोड़कर भारत की लगभग सभी भारतीय भाषाओं का जन्मकाल लगभग समान ही है। विकास के चरण भी प्राय समान ही हैं। साहित्यिक पृष्ठभूमि प्रायः समान है। संत काव्य की समान प्रवृत्ति है। प्रेमाख्यान काव्य की एक जैसी परंपरा है। स्त्री एवं दलित संवेदना एक जैसी है।भाषा केवल संवाद का ही माध्यम नहीं है, वरन संस्कृति की वाहक भी है। भारत एक बहुभाषी देश है। पूर्व से पश्चिम तक, कश्मीर से कन्याकुमारी तक संपूर्ण राष्ट्र में सहस्त्रों भाषाएं बोली जाती हैं। भोजपुरी में एक कहावत है- 'कोस कोस पर पानी बदले, तीन कोस पर बानी' अर्थात दो-दो मील पर पानी में बदलाव आ जाता है और छह-छह मील पर भाषा-बोली बदल जाती है, परंतु पानी के स्वाद-गुण और भाषा के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होता है। भारतवर्ष की सभी भाषाएं एक ही परिवार की शाखाएं हैं और इसीलिए उनके भीतर एक सांस्कृतिक भाव की स्त्रोतस्विनी प्रवाहित है, जो इस राष्ट्र को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाती है। गुलामी काल में अंग्रेजों की विभाजनकारी नीति को बल देने के लिए पाश्चात्य भाषा विज्ञानियों ने भाषा परिवार की एक मिथ्या कल्पना पर आधारित अवधारणा प्रस्तुत की। उन्होंने 'आर्य समस्या' जैसी एक कृत्रिम समस्या को जन्म दिया। इसके मूल में उनकी यह दुरभिसंधि थी कि प्राचीन संस्कृत की प्राचीनता को प्रश्नांकित करते हुए भारत की भाषाओं को अनेक भाषा-परिवारों से उत्पन्न बताया जाए और इसमें वे सफल भी रहे। यहां तक कि आर्य शब्द को जर्मन फासीवाद से भी जोड़कर देखा गया। भारत में आर्यों के आगमन की कृत्रिम अवधारणा अनुमान, अटकल या प्रतीति के आधार पर रची गई। ऐसा करने वालों के पास इस प्रश्न का कोई सटीक उत्तर नहीं रहा है कि भारत आने के पूर्व इन कथित आर्यों का मूल निवास कहां रहा और वहां से दो दिशाओं में बिखराव का कारण क्या रहा? वैदिक साहित्य में उस मूल स्थान की चर्चा क्यों नहीं है? वस्तुतः अंग्रेजों को यह स्थापित करना था कि भारत में सभी जन, द्रविड़, आर्य आदि सभी बाहर से आए हैं, अतः हमारे आने में कोई विशेष समस्या नहीं है। यह भूमि ही आप्रवासियों से बनी है। अंग्रेजों और उनके भारतीय मानसपुत्रों ने भी इस कृत्रिम अवधारणा के आधार पर एक अज्ञात 'प्रोटो इंडो यूरोपियन' नाम की भाषा की कल्पना की और संस्कृत को 'इंडो आर्यन' नाम दे दिया।उन्होंने संस्कृत से लेकर फारसी, ग्रीक, लैटिन, जर्मन आदि भाषाओं को कतिपय शब्द साम्य के आधार पर 'इंडो यूरोपियन' भाषा माना तथा शेष भारतीय भाषाओं को अन्य कल्पित भाषा परिवार से उत्पन्न बताने के लिए 'आर्य-द्रविड़ जैसे षड्यंत्रकारी प्रत्यय को विकसित किया।

आज का विचार

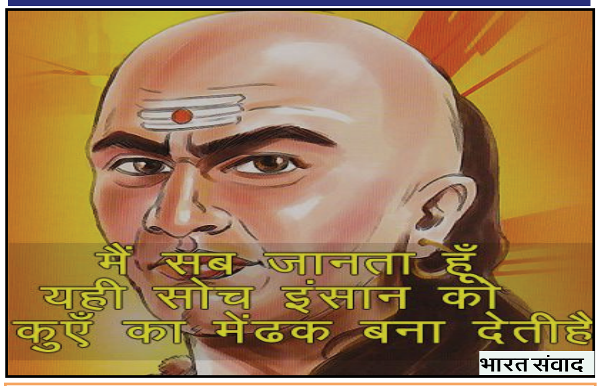

मेष राशिः कार्यक्षेत्र में आपको कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में मन थोड़ा परेशान रह सकता है और आपके साथियों का भी तनाव बढ़ेगा। लेकिन आप अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से स्थिति को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। आपका दिन दूसरों की मदद करने में भी व्यतीत हो सकता है।

वृषभ राशिः आपका दिन शुभ रहने वाला है। कारोबार को लेकर आपको कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों का दिन भी अच्छा रहेगा और कार्यस्थल पर मेहनत से लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन राशिः कार्यक्षेत्र में आपको उच्च अधिकारियों के सहयोग और समर्थन से कोई बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति प्राप्त हो सकती है। अधूरी इच्छा पूरी होने के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा और परिवार में पिता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। नौकरी करने वाले कामकाज में ज्यादा बिजी रह सकते हैं।

कर्क राशिः आपका दिन बेहद उत्तम रहने वाला है और भाग्य का भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में मेहनत का फल प्राप्त होगा और अचानक बड़ी मात्रा में धन प्राप्ति हो सकती है। इसी के चलते आपकी आर्थिक स्थिति भी पहले से बेहतर होती जाएगी।

सिंह राशिः राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की संभावना है और जीवन में तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे। कार्यक्षेत्र में आप अपने विरोधियों से भी आगे निकल सकते हैं और जो काम लंबे समय से रुके हुए थे वे अब पूरे हो सकते हैं।

कन्या राशिः आपका दिन अच्छा रहने वाला है और कार्यस्थल पर विरोधियों की रणनीतियां भी फेल हो जाएंगी। अगर लंबे समय से आपका कोई जरूरी काम बीच में अटका हुआ था, तो वो भी अब पूरा हो सकता है। व्यापार में लाभ कमाने के नए अवसर मिल सकते हैं।

तुला राशि : नौकरी करने वालों के लिए आय के नए स्त्रोत बनेंगे। इससे आमदनी में भी वृद्धि होगी। वहीं, कार्यस्थल पर आपके बातचीत करने का तरीका प्रभावशाली रहेगी, जिससे विशेष सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशिः आर्थिक मामलों में दिन शुभ रहेगा और आपको धन लाभ के नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और समाज में भी मान-सम्मान बढ़ेगा। अगर आपका जरूरी काम लंबे समय से बीच में रुका हुआ था तो वह अब पूरी हो सकता है।

धनु राशिः कार्यस्थल पर किसी जुनियर के चलते तनाव बढ़ने की संभावना है। ऐसे में आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। आर्थिक मामलों में भी सावधान रहने की जरूरत है और कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना ज्यादा बेहतर रहेगा

मकर राशिः व्यापार के मामले में दिन अनुकूल रहने वाला है और आपको लाभ कमाने के अवसर मिल सकते हैं। इससे मन प्रसन्न रहेगा और आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत होगी। अगर आप व्यवसाय में परिवर्तन करने के बारे में विचार कर रहे हैं, तो पहले अच्छी तरह सोच-विचार जरूर कर लें।

कुंभ राशिः आर्थिक मामलों में आपको बजट बनाकर धन खर्च करना होगा, अन्यथा पैसों की तंगी का सामना भी करना पड़ सकता है। किसी संपत्ति के क्रय-विक्रय के वक्त आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे और दस्तावेजों को पूरी तरह पढ़कर ही हस्ताक्षर करें।

मीन राशिः कामकाज के सिलसिले में आपको किसी दूर या पास की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यह फलदायक भी साबित हो सकती है। कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा और मानसिक तनाव भी कम होगा। विद्यार्थियों के लिए भी दिन शुभ रहेगा। आपको अपने पसंदीदा विषय में सफलता मिल सकती है और शाम के समय मित्रों के साथ कहीं घूमने भी जा सकते हैं।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चुनौतियों से निपटने के लिए भारत के लिए सुनहरा अवसर

> भारत ने 2030 का हरित ऊर्जा लक्ष्य पांच साल पहले ही हासिल कर लिया है और एआइ क्वांटम कंप्यूटिंग और डीप टेक में भारी निवेश कर रहा है। चुनौतियां बनी हुई हैं लेकिन दिशा स्पष्ट है। हम एक आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं जिसे महत्वाकांक्षा दृढ़ता और सुधार शक्ति दे रहे हैं।

पा विश्व परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और भारत की परीक्षा हो रही है, लेकिन हर चुनौती एक अवसर भी लेकर आता है। टैरिफ और प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियां हमारे संकल्प को कमजोर नहीं करनी चाहिए। उन्हें हमें प्रेरित करना चाहिए। भारत को साहसिक कदम उठाकर अवसर को भुनाना होगा। यह हमारे लिए पीढ़ी में एक बार मिलने वाला नेतृत्व करने का अवसर है। इसे हाथ से जाने नहीं देना चाहिए। 27 अगस्त से भारत पर अमेरिका का 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा, जो राष्ट्रपति ट्रंप के 'पारस्परिक' शुल्क में सबसे अधिक है। अमेरिका का आरोप है कि भारत, रूस से तेल खरीदकर रूस की वित्तीय मदद कर रहा है, लेकिन तुर्किए पर यह शुल्क 15 प्रतिशत ही है। यूरोपीय संघ के बराबर है। तुर्किये रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक है। उसने जनवरी 2022 से रूसी गैस के लिए 297 अरब यूरो का भुगतान किया है। व्हाइट हाउस को यह भी पता नहीं कि अमेरिका रूस से उर्वरक का आयात करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-अमेरिका आर्थिक, व्यापारिक और राजनीतिक संबंधों में भारी निवेश किया है, लेकिन अमेरिका का टकराव वाला रुख भविष्य के सहयोग को प्रभावित करेगा। हम अपनी ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता से समझौता नहीं कर सकते। यह भी स्पष्ट है कि भारत झुकने से इन्कार कर रहा है। ऐसा ही हमने अतीत में कई बार किया है। वैश्विक दबाव हमें डराने के बजाय इसके लिए प्रेरित करने वाला होना चाहिए कि हम वे ऐतिहासिक सुधार करें, जिनकी हमें सख्त जरूरत है। वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी भारत का सबसे महत्वपूर्ण कर सुधार है। सात साल बाद कर संग्रह बढ़ रहा है। जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में सहायता की है। समय आ गया है कि मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ जीएसटी सुधार आगे बढ़ाए जाएं। हमें दो-दर वाले जीएसटी ढांचे की ओर बढ़ना चाहिए और उसकी प्रक्रियाओं में आमूलचूल परिवर्तन करना चाहिए। नई पंजीकृत कंपनियों और स्टार्टअप्स को जीएसटी नंबर, उनके पैन-टैन के साथ मिलने चाहिए। जीएसटी पंजीकरण के लिए किसी आफिस जाने की जरूरत को तकनीक के माध्यम से कम किया जाना चाहिए। आयकर सुधार भी लागू करने ही होंगे। दस साल पहले, कारोबार सुगमता में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर प्रयास किए गए। इसके अच्छे परिणाम मिले। अब एक कदम और आगे बढ़कर भारत को कारोबार करने के लिए सबसे आसान ठिकाना बनाया जाए। श्रम संहिता के नियमों को अधिसूचित करने जैसे लंबित कार्य तुरंत पूरे किए जाएं। राज्यों को क्रमिक सुधारों से आगे बढ़कर सिंगल-विंडो क्लीयरेंस को वास्तव में अपनाना होगा। कई जटिल प्रक्रियाएं अब तक नेशनल सिंगल विंडो सिस्टम(एनएसडब्लूएस) में शामिल नहीं की गई हैं। निजी उद्यमों के लिए पूंजी की लागत कम करनी होगी। सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) के तहत वाणिज्यिक बैंकों को अपनी संपत्तियों का 18 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों में रखना अनिवार्य है। इससे अर्थव्यवस्था में कर्ज लायक निधि का पूल घटता है और निजी उद्यमों के लिए पूंजी की लागत बढ़ जाती है। एसएलआर को शून्य पर लाना चाहिए। इससे लाखों करोड़ रुपये के अतिरिक्त कर्ज देने का रास्ता खुलेगा और पूंजी की लागत घटेगी। हमें यह मानना होगा कि एक उदार व्यापार व्यवस्था हमारे मैन्यूफैक्चरिंग इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए जरूरी है। हाल के वर्षों में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीक्यू) की संख्या बढ़ी है। ये जरूरी आयात की लागत बढ़ाते हैं और देश में निर्मित उत्पादों को वैश्विक बाजार में गैर-प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। इन क्यूसीक्यू को खत्म किया जाना चाहिए। हमारे यहां कुछ वस्तुओं पर टैरिफ बहुत अधिक है। इन्हें घटाना होगा। हमें व्यापार समझौतों पर वार्ता को तेज करके अपने निर्यात बाजारों का विविधीकरण करना होगा। पर्यटन पर कोई टैरिफ नहीं है। भारत अपनी प्राकृतिक सुंदरता, विरासत, संस्कृति और विविधता के साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन में 1.5 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। यदि हम अनिवासी भारतीयों के आगमन को हटा दें, तो यह संख्या और भी कम हो जाती है। पिछले दशक में भारतीय पर्यटन के लिए कोई प्रभावी ब्रांडिंग अभियान नहीं चला। जब अनेक देश पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रयास तेज कर रहे हैं, तब हम पीछे हैं। हमें भारत की संभावनाओं को उजागर करने के लिए अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक ब्रांडिंग और मार्केटिंग अभियान चलाना चाहिए, अन्यथा जिन 1800 विमानों को भारतीय एयरलाइंस खरीद रही हैं, वे सिर्फ विदेश में छुट्टियां मनाने जा रहे भारतीयों को ले जाने का काम करेंगे। हमें विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना होगा। आगंतुकों के लिए हमारे शहर पहला प्रभाव छोड़ते हैं। लंबे समय से शहरों का शासन ठप पड़ा है। वह वित्त, योजना और मानव संसाधन के लिए राज्य सरकारों पर निर्भर है। शहरों को शक्तियां सौंपने वाले संवैधानिक संशोधन व्यवहार में लागू नहीं हुए हैं। हमें अपने शहरों को वास्तव में स्वायत्त और वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनाना होगा। 2021-22 के बजट में सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम की नई नीति (पीएसई) की घोषणा की गई। इसे मिशन मोड में लेना होगा। पिछले वित्तीय वर्ष में विनिवेश से केवल 10,000 करोड़ रुपये ही प्राप्त हुए। हमें अल्पांश हिस्सेदारी बिक्री से आगे बढ़कर रणनीतिक विनिवेश करना होगा। हाल के बजट में 10 लाख करोड़ रुपये की एसेट मोनेटाइजेशन योजना की जो घोषणा की गई उसे भी जल्द लागू करना होगा। भारत किसी भी तरह से मृत अर्थव्यवस्था नहीं है। हम वास्तव में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था हैं, जो एक दशक के संरचनात्मक सुधारों, डिजिटल नवाचार और बुनियादी ढांचे में निवेश से संचालित है। 25 करोड़ से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं और अत्यधिक गरीबी दर 3 प्रतिशत से नीचे आ गई है, जो जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार दर्शाता है। महिलाएं इस परिवर्तन में तेजी से भाग ले रही हैं। स्टैंड-अप इंडिया कर्ज का 80 प्रतिशत और मुद्रा ऋणों का 68प्रतिशत महिलाओं को मिला है। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआइ) ने वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी है और बुनियादी ढांचे पर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय दोगुने से अधिक हो गया है, जो दीर्घकालिक उत्पादकता की नींव रखता है। भारत ने 2030 का हरित ऊर्जा लक्ष्य पांच साल पहले ही हासिल कर लिया है और एआइ, क्वांटम कंप्यूटिंग और डीप टेक में भारी निवेश कर रहा है। चुनौतियां बनी हुई हैं, लेकिन दिशा स्पष्ट है। हम एक आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं, जिसे महत्वाकांक्षा, दृढ़ता और सुधार शक्ति दे रहे हैं।

सांस्कृतिक अवमूल्यन, युवाओं में बढ़ती यौन अपराध की मानसिकता

संजीव ठाकुर

एतिहासिक काल से ही भारतीय संस्कृति और सभ्यता में ऐसा लचीलापन है कि अनेक विदेशी सभ्यताओं को हमने अपनी सभ्यता में आत्मसात कर उन्हें भी अपने रंग में रंग लिया है। उन सब के रंगों में हम भी रंग गए हैं। भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया है। (यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है। वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन सी हुआ है।इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है।) आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद, वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

भोगने ही होंगे संस्कृतिविहीन स्वतंत्रता के परिणाम

(अभिमन्यु जैन)

स्वतंत्रता के पश्चात संस्कृतिविहीन आचार-विचार, रहन-सहन, शिक्षा-दीक्षा, खान-पान सर्वत्र दृष्टिगोचर हो रहा है। पूज्य माता-पिता अब मॉम-डेड हो गए हैं। टी.वी., मोबाइल, वेबसीरिज से उत्पन्न आधुनिक फैशन और 24 घंटे के देह दिखाऊ प्रसारण के अनावश्यक कॉम्पटीशन ने नाश कर दिया भारतीय संस्कृति और सोच का। बच्चे अब विद्यालय नहीं विलासालय की ओर दौड़ रहे हैं। किसी के भी घर चले जाएं, पूछे। क्यों भाई क्या हो रहा है? उत्तर बस, मोबाइल चला रहे हैं। लगता है अब, बस मोबाइल देखने के अलावा और कुछ देखना शेष नहीं। अवकाश दिवस में लोग पिकनिक, सैर-सपाटा, भ्रमण, मिलना-जुलना सब भूल गए। क्या हो गया है हमारी भारतीय संस्कृति को संवेदना को ध्यान रहे संस्कृति के बिना स्वतंत्रता की कल्पना ही व्यर्थ है। अंग्रेजों द्वारा भारतीयों की संस्कृति पर कुठाराघात करने के कारण ही जन-जन में उनका प्रबल विरोध व्याप्त हुआ। इसी की परिणति हैं कि सभी अर्थों में स्वतंत्रता प्राप्त होने के उपरांत भी संस्कृति की स्वतंत्रता के विषय में हम आज भी गुलाम है। हम आज भी पाश्चात्य सभ्यता का अंधानुकरण करते हुए प्रतिदिन अपनी मौलिक और प्राचीन सभ्यता से कट रहे हैं। स्वतंत्रता के पश्चात हमने अपने द्वारा अपनाई जा रही संस्कृति को भी लगता है, स्वतंत्र कर दिया है। कहीं यह दृष्टिगत नहीं होता कि हम स्वतंत्र देश के नागरिक होने के साथ-साथ अपनी ही संस्कृति का अनुकरण कर रहे हैं। एक स्वतंत्र देश जिसे कि गौरव होता है अपनी संस्कृति पर, यह गौरव हम खोते जा रहे हैं। हम उधार की संस्कृति को अधिक महत्व देते हुए दूसरे की मां को अपनी मां समझ रहे हैं। स्वतंत्रता के उपरांत देश में जो नवनिर्माण की लहर चली, उससे सभी क्षेत्र प्रभावित होकर लाभांवित है किंतु संस्कृति के मामले में इसके विकास और उन्नति के विषय में हम निश्चित ही पिछड़े है। आज हम नैतिक, चारित्रिक, आत्मिक एवं आध्यात्मिक रूप से अपनी ही सभ्यता से अपरिचित-सा व्यवहार कर रहे हैं। इससे बड़े खेद की बात और क्या होगी कि हमें हमारी सभ्यता और संस्कृति की विशेषताएं विदेशियों द्वारा याद दिलाई जाती हैं। पाश्चात्य सभ्यता ने इतनी गहरी जड़ें जमा ली हैं कि किसी क्षेत्र में हमें भारतीयता के दर्शन ही नहीं होते। हम आकण्ठ डूब चुके हैं पश्चिमी सभ्यता में और अभी भी प्रयास जारी है इतने गहरे डूबने के कि कभी उबर न सकें। देश में नित्यप्रति पनप रहे अभिजात्य वर्ग, समाज से अपने को पृथक मानकर आनन्द की अनुभूति पाते हैं। हमारे उच्च पदस्थ अधिकारी, धनवान एवं गणमान्य नागरिक अपने घरों में हिन्दी का प्रयोग करते हुए सकुचाते हैं। अंग्रेजी का धड़ल्ले से प्रयोग कर अपने आपको आधुनिक एवं प्रगतिशील कहना, कहलाना अधिक पसंद करते हैं। इन तथाकथित प्रगतिशील घरों में तुलसीकृत रामचरित मानस, गीता अथवा कालिदास के साहित्य भंडार का कोई पुष्प हो या न हो पर अंग्रेज लेखकों के प्रसिद्ध उपन्यास और अन्य नवीन से नवीन कृतियां अवश्य ही उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही पॉप और वेस्टर्न म्यूजिक के रिकॉर्ड भी अधिकता में होंगे। एक ओर तो उक्त स्थिति है, दूसरी ओर अभी तक विदेशियों को भारत के विषय में वास्तविक स्थिति तक ज्ञात नहीं है। भारत की आबोहवा कैसी है? क्या वहां बर्फ गिरती है? गाय को क्यों पवित्र माना जाता है? क्या साड़ी पहनकर काम करने में महिलाओं को असुविधा नहीं होती? वे माथे पर बिंदिया क्यों लगाती हैं? सफाई तथा अन्य दैनिक कार्यों के लिए मशीन का उपयोग नहीं किया जाता? या फिर उनके दिमाग में आज भी हमारे देश की तस्वीर दरिद्रों, अशिक्षितों, जादू टोना, भिखमंगों, महामारियों एवं प्राकृतिक विपदाओं से युक्त देश के रूप में विद्यमान है।

गंगा-यमुना का जलस्तर घटा, राहत

बाढ़ प्रभावित इलाकों में नगर निगम की सफाई, पूरे क्षेत्र में फॉगिंग

भारत संवाद

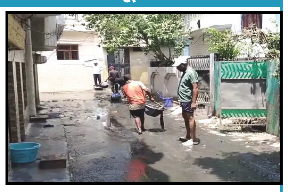

प्रयागराज, गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार घट रहा है, जिससे बाढ़ का खतरा अब पूरी तरह समाप्त हो गया है। 8 बजे तक दर्ज आंकड़ों के अनुसार, यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 79.98 मीटर रहा, जो पिछले चार घंटों में 12 सेंटीमीटर घटा है। गंगा नदी का जलस्तर फाफामऊ में 80.88 मीटर (16 सेंटीमीटर कमी), छतनाग में 79.46 मीटर (14 सेंटीमीटर कमी) और बक्सी एसटीपी पर 80.07 मीटर (10 सेंटीमीटर कमी) दर्ज किया गया। यह सभी स्तर खतरे के निशान 84.734 मीटर से काफी नीचे हैं। प्रशासन ने पुष्टि की है कि सभी बांध पूरी तरह सुरक्षित हैं। जलस्तर में कमी के बावजूद, कई निचले इलाकों में अभी भी पानी जमा है, जिससे स्थानीय लोगों की दिक्कतें बनी हुई हैं। पानी उतरने के बाद बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में कीचड़ और गंदगी की मोटी परत जम गई है, जो संक्रामक और जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ा रही है। इस खतरे से निपटने के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग ने युद्धस्तर पर अभियान शुरू किया है। नगर निगम की टीम प्रभावित इलाकों में सफाई अभियान चला रही है। मोहल्लों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है, नालियों की सफाई और जमा कचरे को हटाने का काम हो रहा है। साथ ही सभी प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग कराई जा रही है, ताकि मच्छरों का प्रकोप कम हो और डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों को रोका जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कई स्वास्थ्य शिविर लगाए हैं, जहां बुखार, डायरिया और त्वचा संबंधी रोगों के मरीजों की जांच और मुफ्त दवाओं की आपूर्ति की जा रही है।

जय घोष : बगावत से सियासत की ओर भारत मण्डपम में हुआ भव्य युवा महासम्मेलन

देशभर से युवाओं ने लिया उत्साही भाग, राष्ट्रीय संवाद मंच की हुई शुरूआत

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से नर नारायण सिंह को मिला संभाजी राजे वीर सम्मान

भारत संवाद

राजधानी स्थित प्रतिष्ठित भारत मंडपम में जय घोषः बगावत से सियासत की ओर विषय पर एक भव्य युवा महासम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद झा, युवा महासम्मेलन के संस्थापक अभय शुक्ला एवं अभिषेक झा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। सम्मेलन का उद्देश्य था युवाओं को राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विमर्श में सहभागी बनाकर उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना। इस मंच के माध्यम से युवाओं को नीति निर्माण में भागीदारी, विचारशील प्रतिरोध और नेतृत्व क्षमता के विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन मिला। वक्ताओं ने अपने प्रेरणादायक विचारों के माध्यम से युवाओं को न केवल बगावत की ताकत समझाई, बल्कि उसे सकारात्मक सियासी दिशा में मोड़ने का संदेश भी दिया। हर वक्ता ने जय घोष के अर्थ, उसकी प्रासंगिकता और आज के राजनीतिक परिदृश्य में उसकी भूमिका पर विचार रखे। यह सम्मेलन केवल एक आयोजन नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय संवाद मंच की शुरूआत है, जहाँ युवाओं को उनकी आवाज और विचारों के साथ जगह दी जाएगी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के नर नारायण सिंह ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए भारतीय संस्कृति, परंपरा, हंस जन्मभूमि, कट्टर हिंदुत्व एवं युवाओं को जागृत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपना प्रेरणादायक एवं ओजस्वी वक्तव्य दिया। विशेष उपलब्धि के रूप में, नर नारायण सिंह को कार्यक्रम में चीफ गेस्ट के रूप में भी आमंत्रित किया गया। उनके प्रभावशाली विचारों और समाज में योगदान को देखते हुए उन्हें संभाजी राजे वीर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल डी. पी. वत्सव द्वारा प्रदान किया गया।

फास्ट ट्रैक

परिवहन मंत्री के निर्देश पर ए० आर० एम चारबाग किए गए निलंबित

भारत संवाद

लखनऊ , उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह के निर्देश पर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक चारबाग श्री गौतम कुमार को निलंबित कर दिया गया है,एवं सलाहकार (संचालन) आलमबाग बस स्टेशन श्री निर्मल कुमार वर्मा संविदा कर्मचारी की संविदा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया है। अपने दायित्वों/कर्तव्यों के प्रति घोर उदासीनता बरतने, डिपो के संचालन प्रतिफलों में गत वर्ष की तुलना में अत्यधिक गिरावट लाने, संचालन प्रतिफलों में वृद्धि लाये जाने के लिए कोई सार्थक प्रयास न करने के परिणाम स्वरूप निलंबित कर दिया गया है। यह जानकारी प्रबंध निदेशक श्री मासूम अली सरवर ने देते हुए बताया कि माननीय परिवहन मंत्री जी ने 8 अगस्त 2025 को आलमबाग बस टर्मिनल के निरीक्षण के दौरान श्री गौतम कुमार अनुपस्थित पाए गए। बस स्टेशन पर निरीक्षण के दौरान अव्यवस्था एवं गंदगी पाए जाने पर परिवहन मंत्री ने नाराजगी जताते हुए ए आर एम को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए इसके अतिरिक्त मुख्यालय द्वारा निर्गत आदेशों/निर्देशों का अनुपालन न करने के भी गंभीर आरोप के आधार पर इनका निलंबन किया गया है। जबकि संविदा/मानदेय पर अबद्ध किए गए श्री निर्मल कुमार,सलाहकार (संचालन)की निगम को वर्तमान में आवश्यकता ना होने के आधार पर उनकी आबद्धता तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई है।

बाढ से क्षतिग्रस्त शासकीय सम्पत्तियों के मरम्मत हेतु एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराएं स्टीमेट

मीरजापुर - जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद बाढ़ प्रभावित क्षेत्रो में बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़क, बंधी, पेयजल, तटबंध, प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि सहित अन्य ऐसे शासकीय सम्पत्ति जो बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हो उसका सर्वे करते हुए प्रस्ताव/शासनादेश के अनुसार स्टीमेट बनाकर एक सप्ताह के अन्दर प्रस्तुत करे ताकि शासन से धनराशि प्राप्त की जा सकें। उन्होंने बताया कि पंचायत के स्वामित्व वाली पंचायत सामुदायिक सम्पत्ति यथा-पंचायत घर, सामुदायिक भवन, आंगनबाड़ी, महिला मण्डल/युवा केन्द्र व प्राथमिक/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, क्षतिग्रस्त विद्यालय भवनों का मरम्मत, बिजली आपूर्ति की तत्काल बहाली के लिए क्षतिग्रस्त पोल/कंडक्टर, ट्रांसफार्मर लघु सिंचाई परियोजना तटबंधो की मरम्मत, नहर और जल निकासी व्यवस्था से वनस्पति सामाग्री/निर्माण सामाग्री, मलबे को हटाना, छोटे जलाशयों के मिट्टी चिनाई कार्य, क्षतिग्रस्त नहरों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त पम्पिंग मशीनों की मरम्मत, इंटेक आउटटेक संरचना मरम्मत, हैण्डपम्प/रिंगबेल, सार्वजनिक स्टैण्ड पोस्ट, सड़के और पुलिस मरम्मत सहित शासनादेश में उल्लिखित अन्य क्षतिग्रस्त सम्पत्तियों के मरम्मत हेतु स्टीमेट भेजा जा सकता हैं।

जिन किसानों का के0सी0सी0 नहीं बना है अथवा बैंक में एन0पी0ए0 वाले किसान 14 अगस्त तक अनिवार्य रूप से प्रीमीयम जमा कर कराएं प्रधानमंत्री फसल बीमा

के0सी0सी0 धारक कृषको का बैंकर्स अभियान चलाकर प्रीमीयम की राशि काटते हुए करे अपलोड

मीरजापुर - जिन किसानों ने अपनी के0सी0सी0 नहीं बनवाया है ऐसे किसान अपने फसलों का बीमा कामन सर्विस सेंटर/जन सेवा केन्द्र (सी0एस0सी0) पर जाकर अधिकतम 14 अगस्त 2025 तक प्रत्येक दशा में करा ले अन्यथा अतिवृष्टि, बाढ़ व अन्य किसी आपदा के कारण नुकसान फसलों का बीमा मुआवजा नहीं ले सकेंगे। प्रधानमंत्री सफल बीमा योजना के तहत बीमा कराने के लिए अपनी खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक एवं स्वाप्रमाणित बुआई प्रमाण पत्र साथ ले जाना होगा। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि विभाग एवं बैंकर्स के पदाधिकारियों के साथ बैंठक कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों के प्रीमीयम जमा व अपलोड प्रगति की समीक्षा कर उपरोक्त निर्देश दिया।

नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, हनुमानगंज परिसर में रोजगार महाकुम्भ 2025 के तहत वृहद रोजगार मेला का किया गया आयोजन

- रोजगार महाकुम्भ मेले में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा कुल 1167 अभ्यर्थियों का किया गया चयन
- रोजगार महाकुम्भ-2025 के तहत नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय परिसर में 13 अगस्त को भी रोजगार मेले का किया जायेगा आयोजन

मुख्य विकास अधिकारी ने रोजगार मेले का किया उद्घाटन

भारत संवाद

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज एवं नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार महाकुम्भ 2025 के प्रथम दिवस दिनांक 12.08.2025 को नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय, हनुमानगंज परिसर प्रयागराज में प्रातः 10:00 बजे रोजगार महाकुम्भ 2025 (वृहद रोजगार मेला) का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले का उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज हर्षिका सिंह द्वारा किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बेरोजगार नवयुवकों को निष्ठापूर्वक कार्य करने हेतु उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की एवं सेवायोजन कार्यालय के सार्थक प्रयास को सराहा गया। सहायक निदेशक (सेवा0) श्री राजीव कुमार यादव द्वारा इस रोजगार मेले के उद्देश्य के विषय में बताते हुए यह बताया गया की यह कार्यक्रम शासन की शीर्ष वरीयता का कार्यक्रम हैं जिसके द्वारा बेरोजगारों को उनके क्षेत्र में मेला लगाकर सेवायोजित कराया जा रहा है। श्री राजीव कुमार यादव द्वारा मा0 मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया तथा इस रोजगार मेले में अभ्यर्थियों के उज्वल भविष्य हेतु कम्पनियों को उन्हें यथोचित कार्य प्रदान करने हेतु निर्देशित किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान कुलपति प्रो. रोहित रमेश एवं डॉ. सुरेश चन्द्र तिवारी द्वारा की गयी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री नमित मिश्रा एवं उप निदेशक, सेवायोजन श्री रविशेखर आंनद द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम में जिला सेवायोजन अधिकारी श्री चन्द्रकान्त सिंह, श्री मानवेन्द्र सिंह, श्री पंकज सिंह श्री प्रशांत एवं श्री प्रवीण कुंमार यादव, श्री अनुभव त्रिपाठी एवं संस्थान के सभी एवं सेवायोजन कार्यालय के समस्त अधिकारी /कर्मचारी एवं संस्थान के समस्त अध्यापक/अध्यापिकाओं द्वारा मेले को सफल बनाने में अथक प्रयास किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री विश्व मोहन द्विवेदी द्वारा किया गया तथा प्रीप्लेसमेंट कैरियर काउंसिलिंग श्री कृष्णकांत कुशवाहा द्वारा की गयी। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. हिमांशु टंडन द्वारा द्वारा किया गया। मेला प्रभारी श्री मारूफ अहमद द्वारा सभी कम्पनियों का क्वार्डिनेशन किया गया। रोजगार महाकुम्भ 2025 (वृहद रोजगार मेला) में निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा कुल 1167 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले में कुल 2445 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। कल दिनांक 13.08.2025 को भी रोजगार महाकुम्भ-2025 के तहत रोजगार मेले का आयोजन किया जायेगा।

यूपीसीडाः संडीला औद्योगिक क्षेत्र में सिविल अवसंरचना परियोजनाएं तेजी से प्रगति पर

भारत संवाद

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) राज्य की औद्योगिक अवसंरचना को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप, यूपीसीडा राज्य को एक मजबूत और निवेशक-हितैषी औद्योगिक केंद्र में बदलने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इन प्रयासों के तहत, जनपद हरदोई स्थित संडीला औद्योगिक क्षेत्र बड़े पैमाने पर अवसंरचना उन्नयन के लिए एक प्राथमिकता वाले स्थान के रूप में उभरा है। इसकी सिविल अवसंरचना में सुधार के लिए कुल ?105 करोड़ का निवेश (पूर्ण, प्रगति पर और प्रस्तावित कार्य) आवंटित किया गया है। कार्यों के दायरे में सड़कों, नालियों, पुलियों, औद्योगिक प्रवेश द्वारों का निर्माण एवं उन्नयन शामिल है, जिसका उद्देश्य ₹ईज ऑफ डूइंग बिजनेस₹ को बढ़ाना और विश्वस्तरीय औद्योगिक वातावरण तैयार करना है। सुविधा परिसर में श्रमिक सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा, जो श्रमिकों को आवश्यक सहायता सेवाएं प्रदान करेगा; वेंडिंग जोन और ट्रक ले-बाय क्षेत्र, जिससे भारी वाहनों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था होगी; कैफेटेरिया में पौष्टिक व किफायती भोजन उपलब्ध होगा; साथ ही स्वच्छता मानकों के अनुरूप सार्वजनिक शौचालय बनाए जाएंगे। आवास की सुविधा हेतु, कार्यरत श्रमिकों और परियोजना कर्मियों के लिए छात्रावास (डॉरमेट्री) का निर्माण किया जाएगा, जिससे उनके कल्याण और कार्य तत्परता को सुनिश्चित किया जा सके। हाल ही में, यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मयूर महेश्वरी ने संदीला औद्योगिक क्षेत्र का विस्तृत स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने औद्योगिक प्रवेश द्वार सहित प्रमुख अवसंरचना स्थलों का निरीक्षण किया और प्रगति पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की। बर्जर पेंट्स इकाई में औद्योगिक संघों, प्रमुख उद्योगपतियों और एएमसी ठेकेदारों के साथ बैठक कर चल रही एवं प्रस्तावित अवसंरचना परियोजनाओं पर चर्चा हुई। बर्जर पेंट्स, हल्दीराम, श्रीराम टिम्बर, चेतक एंटरप्राइजेज, इंदुवैष्णव जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव लाने में यूपीएसआईडीए की भूमिका की सराहना की।

रेलवे संरक्षा में एक नए युग सूत्रपातः कवच प्रणाली के सफल परीक्षण

भारत संवाद

भारतीय रेलवे ने संरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के मथुरा-पलवल खंड में कवच प्रणाली के साथ लोको ट्रायल्स सफलतापूर्वक पूरे किए गए। इन परीक्षणों में पीछे की ओर से टक्कर और आमने-सामने की टक्कर के सिमुलेशन शामिल थे, जिन्हें कवच प्रणाली ने सफलतापूर्वक पूर्ण किया। इस परीक्षण के लिए केरनक्स कवच युक्त लोको 35023 WAP-5 गाजियाबाद तथा एचबीएल कवच युक्त लोको 30234 WAP-7 तुगलकाबाद का उपयोग किया गया। रियर एंड कोलिजन (पिछली तरफ से टक्कर) के दौरान लोको-1 को होम सिग्नल के आगे खड़ा किया तथा लोको-2 को होम सिग्नल के पीछे ऑटो सिग्नल पर खड़ा किया गया था। फिर लोको-2 में सिग्नल ओवरराइड किया गया और लोको-1 की ओर बढ़ाया गया। कवच प्रणाली से युक्त होने के परिणामस्वरूप लोको-2 में ब्रेक लग गए और यह लोको-1 से लगभग 326 मीटर पीछे रुक गया, जिससे रियर एंड टक्कर से बचाव हुआ इसी क्रम में हेड-ऑन कोलीजन (आमने-सामने की टक्कर) परीक्षण के दौरान लोको-1 को होम सिग्नल के आगे खड़ा किया गया तथा फिर कैब बदली गई और लोको को विपरीत दिशा में चलाया गया और दो टैग पढ़ने के बाद दिशा स्थापित की गई और लोको रुक गया। लोको-2 ने एडवांस स्टार्टर को पार करने के बाद ब्लॉक खंड में प्रवेश किया और लोको-1 की ओर बढ़ा। जिसके परिणामस्वरूप लोको-2 ट्रिप मोड में चला गया और ब्रेक लग गए तथा लोको-1 से 5 किमी से अधिक दूरी पर रुक गया, जिससे हेड-ऑन टक्कर को रोका गया। इन परीक्षणों के परिणामस्वरूप यह साबित हुआ है कि कवच प्रणाली रेलवे सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इस प्रणाली के उपयोग से रेलवे यात्रियों की संरक्षा में सुधार होगा और दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा ।भारतीय रेल कवच प्रणाली को और अधिक विकसित करने और इसे व्यापक रूप से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल प्रयागराज द्वारा तिरंगा यात्रा का विशाल आयोजन

भारत संवाद

प्रयागराज,आज भारतीय जनता पार्टी चौक मंडल के विशाल तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि वर्तमान महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी जी महानगर के अध्यक्ष संजय गुप्ता जी अनिल केसरवानी झललर नीरज टंडन पार्षद मंडल महामंत्री मनमोहन मिश्रा जी मंडल महामंत्री बचपन गुप्ता तिरंगा यात्रा संयोजक मयंक दुबे मंडलउपाध्यक्ष गुड्डू कनौजिया प्रवीण मालवीय अनूप मिश्रा धीरज केसरवानी मासु अब्बास नकवी मधुसूदन निषाद अवधेश श्रीवास्तव रेनू चौरसिया कुमकुम श्रीवास्तव रोशनी अग्रवाल मोहिनी चौरसिया अनूप अग्रवाल वैभव अग्रवाल रवि तिवारी अमित गुप्ता राजकुमार राठौर मुन्ना केसरवानी गांधी प्रह्लाद जैसवाल विकास द्विवेदी रत्नेश यादव सौरभ शर्मा संतोष जायसवाल अमित सिंह बघेल अमित मैदा नन्हा निषाद शाश्वत मिश्रा राजू दुबे राजू केसरवानी मनोज केसरवानी राजकुमार केसरवानीलोकेंद्र प्रताप सिंह ममता मिश्रा बिना सारस्वत उमा सिंह बघेल स्वामी कश्यप महेश त्रिपाठी मधुकर पांडे नितिन केसरवानी वैष्णवी कसेरा सोनम गुप्ता रानी केसरवानी अतुल खन्ना आशीष कुशवाहा कमलेश केशरवानी सक्षम गुप्ता अनमोल केसरवानी रत्नेश चौरसिया असमत उल्ला आयुष पांडे अशोक सिंह राघवेंद्र मिश्रा संदीप श्रीवास्तव एवं 200 से ज्यादा कार्यकर्ता उपस्थित रहे

चिन्हित ब्लैक स्पाट व हाटस्पाट पर दुर्घटना के कारणों को खोजते हुए करे सुधारात्मक कार्यवाही -जिलाधिकारी

भारत संवाद

- जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को दुर्घटनाओं को
- रोकने व मृत्यु दर कम करने हेतु दिया आवश्यक दिशा निर्देश

मीरजापुर - सड़को पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने व दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर को कम करने के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कर सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में जनपद में मार्गवार हुई घटनाओं की कारण सहित समीक्षा की गई इस दौरान यातायात पुलिस को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि वाहनों की निरंतर चेकिंग करते हुए ओवरस्पीड, ओवरलोडिंग आदि पर प्रभावी कार्यवाही किया जाए। उन्होंने कहा कि टोल व चेक प्वाइंट पर ट्रैक्टर ट्रालियों सहित पिकप व अन्य ढुलाई वाले वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टर टेप लगाया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में चिन्हित 10 ब्लैक स्पाट व 23 हाटस्पाटों पर अधिक दुर्घटना होने का कारण खोजकर उस दिशा में सुधारात्मक कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि तीन या तीन से अधिक मृत्यु वाली सड़क दुर्घटनाओं वाले स्थल पर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्र, अंधा मोड़ आदि के रिफ्लेक्टर बोर्ड लगवाए जाए। एन0एच0 व एस0एच0 सड़को पर आवेर स्पीड एवं लापरवाह वाहन चालकों पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए चालान आदि की भी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतो के ग्राम प्रधानों को जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा यह निर्देश जारी किए जाए कि उनके गांवो में चलने वाले ट्रैक्टर ट्रालियों पर शत प्रतिशत रिफ्लेक्टर टेप लगाया जाए। चिन्हित ब्लैक स्पाटो पर स्थायी निराकरण कराई जाए यदि कही आवश्यकता हो तो वाई जंक्शन वाले सड़को पर टेबल टाप ब्रेकर भी बनाए जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मार्गो/नेशनल हाइवे (फोर लेन) सड़को के किनारे वाहन/ट्रक आदि न खड़ा किया जाए।

युवा दिवस

जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है जो हमने अपने गाँव, अपनी धरती, अपने मूल्यों और अपने देश से पाया है, अब उसे लौटाने का समय

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी चिदानन्द सरस्वतीजी का संदेश जागो, बदलो, गढ़ो

युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

भारत संवाद

ऋषिकेश । अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने देश और विश्व के युवाओं को प्रेरित करते हुए संदेश दिया कि युवा ही राष्ट्र की सांस, धड़कन, शक्ति और भविष्य हैं। आओ जागो, बदलो, गढ़ो और एक संस्कारवान, सशक्त विश्व का निर्माण करें। स्वामीजी ने कहा कि युवा केवल आज के नागरिक नहीं, बल्कि कल के निमार्ता हैं। उनकी ऊर्जा, ज्ञान और संस्कार ही राष्ट्र की दिशा और दशा तय करते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी है और इस पूँजी का सही निवेश तभी संभव है जब इसमें सफलता के साथ संस्कार और सेवा का समावेश हो। उन्होंने युवाओं से आान किया कि आधुनिक ज्ञान और तकनीक के साथ सनातन मूल्य, संस्कृति और मातृभूमि से प्रेम अवश्य जोड़े। उन्होंने कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। जो हमने अपने गाँव, अपनी धरती, अपने मूल्यों और अपने देश से पाया है, अब उसे लौटाने का समय है। स्वामीजी ने युवाओं को यह भी संदेश दिया कि जीवन की सच्ची सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान में है। उन्होंने कहा अपने कर्म और करुणा से ऐसा कार्य करें जो समाज और राष्ट्र को गौरवान्वित करे और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने स्वामीजी ने बताया कि आज की पीढ़ी के पास तकनीक, जानकारी और अवसर की कोई कमी नहीं है लेकिन इन सभी का सही उपयोग तभी होगा जब वे जीवन में अनुशासन, नैतिकता और सेवा भाव को अपनाएँ। उन्होंने कहा कि भारत का हर युवा केवल करियर में नहीं, बल्कि चरित्र में भी ऊँचा हो। सफलता के साथ संस्कार, और ज्ञान के साथ करुणा, यही नए भारत की पहचान होगी।

स्वामीजी ने कहा कि भारत की संस्कृति ने हमेशा वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है, और आज की युवा पीढ़ी को इस भावना को विश्व तक पहुँचाना है। युवाओं को केवल अपने देश के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए कार्य करना होगा क्योंकि वास्तविक नेतृत्व वही है जो सभी को साथ लेकर चलता है।

युवा केवल समय का उपभोक्ता न बने, बल्कि समय का निमार्ता बने। जागो, अपनी क्षमता पहचानो, बदलो, अपनी आदतें और सोच को सकारात्मक बनाओ, गढ़ो, ऐसा भारत जो विश्व में फिर से आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मार्गदर्शक बने। यह समय है जब हर युवा यह संकल्प करे कि वह अपने जीवन को केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए लगाये।

जिलाधिकारी ने सेतु निगम, एनएच, पीडब्लूडी, यूपीडा व अन्य कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा निमार्णाधीन सड़कों, सेतुओं एवं प्रस्तावित प्रोजेक्टों के प्रगति की समीक्षा की

चल रहे कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूर्ण कराये जाने के दिए निर्देश

भारत संवाद

- नए यमुना ब्रिज से सुसाइड की घटनाओं को रोकने के लिए ब्रिज के दोनो तरफ जाली लगाये जाने तथा अन्य आवश्यक उपाय करने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को संगम सभागार में निमार्णाधीन सड़क व सेतुओं के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सेतु निगम, एनएच, पीडब्लूडी, यूपीडा आदि कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा निमार्णाधीन सड़कों, सेतुओं एवं प्रस्तावित प्रोजेक्टों के बारे में विस्तार से समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं के द्वारा कराये जा रहे कार्यों में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली। बैठक में जिलाधिकारी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के द्वारा निमार्णाधीन रिंग रोड के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए कार्य प्रगति के बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि पूरे रिंग रोड का कार्य दो फेज में हो रहा है। फेज-1 में तीन पैकेज है, जिनमें पैकेज-1 में 3-डी प्रकाशित होना है, पैकेज-2 में निमार्णाधीन है और 32 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है एवं पैकेज-3 का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी ने 3-डी जल्द प्रकाशित कराये जाने एवं सभी कार्यों को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने अंदावा से जौनपुर मार्ग पर गड्ढ़ो की मरम्मत कराये जाने तथा डेज्नेज सिस्टम को सही कराये जाने के निर्देश दिए है। बैठक में जिलाधिकारी ने नए यमुना ब्रिज से कूद कर लोगो के द्वारा सुसाइड करने की घटनाओं की रोकथाम हेतु जाली लगाये जाने अथवा अन्य प्रबंध कराये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा है ।जिलाधिकारी के द्वारा एनएच रायबरेली के अधिकारियों से लालगोपालगंज एवं नवाबगंज के मध्य निमार्णाधीन सड़क के चौड़ीकरण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी लिए जाने पर बताया गया कि 17.5 किमी की सड़क के दो लेन से चार लेन में चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है और 54 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है और जल्द ही शेष कार्य को गुणवत्ता पूर्ण ढंग से पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी के द्वारा एनएच पीडब्लूडी के सम्बंधित अधिकारियों से निमार्णाधीन रामवनगमनपथ मार्ग एवं जसरा बाईपास के निर्माण की प्रगति की बारे में जानकारी लिए जाने पर बताया गया कि इस प्रोजेक्ट में पांच पैकेज है। जनपद प्रयागराज व प्रतापगढ़ में सम्मिलित रूप से पैकेज-2 में 14 किमी0 मार्ग आता है, जिसमें लगभग 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

मोहन दास बाबा बने गहलऊ के प्रसिद्ध बन खंडी शिव मंदिर के महन्त

बहादुर सिंह संवादाता /भारत संवाद

अलीगढ। ब्लॉक गोंडा के गहलऊ गांव के प्रसिद्ध प्राचीन बन खंडी शिव मंदिर के महन्त श्री 108 श्री रघुवीर दास बाबा का काफी समय पहले निधन हो गया था । उनके के शरीर त्याग के पश्चात मंदिर के मेहनत की कमी चल रही थी ।जिसे देखते हुए गाँव के सनातनी गणमान्य भगतों ने एकत्रित हो कर सर्व सहमती से अखिल भारतीय श्री पंच झाडिया अखाड़ा निमोर्ही अनी अखाडे के संत बाबा मोहनदास को बन खंडी शिव मंदिर गहलऊ का चुनाव कर महन्त घोषित कर दिया गया है। आज यहां मंदिर में रघुवीर सिंह खेरे वालों के पुत्र पेश से ड्राइवर राजू ने शिव मंदिर पर पधारे कर हनुमान जी महाराज की मूर्ती आज ही के दिन स्थापित की गयी थी तो स्थापना दिवस मनाया जिसमें विधि विधान से पूजा अर्चना हवन यज्ञ किया जिसमें आरती ले उपरांत भंडारा किया गया और महन्त मोहनदास बाबा को पगडी पुष्प माला अर्पित कर परम्परा के अनुसार दक्षिणा दे कर शिव मंदिर के नवनियुक्त महन्त स्वागत सत्कार किया गया इस मौके पर रवि दास शास्त्री ,अजय बोहरे ,देवेन्द्र बोहरे ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य चौ. नेत्रपाल सिंह, रामवीर पंडा जी,गौदामी बोहरे ,भूरा सिंह, रघुवीर सिंह खेरे वाले, मुख्तियार सिंह, हरिश्चन्द्र खेरे वाले, आदि सेकड़ों ग्राम वासी मौजूद रहे ।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी रोहिणी नक्षत्र के विना शुक्रवार और शनिवार को

अमृत सिद्धि और सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ कई शुभ योग में इस बार मनायी जाएगी जन्माष्टमी : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

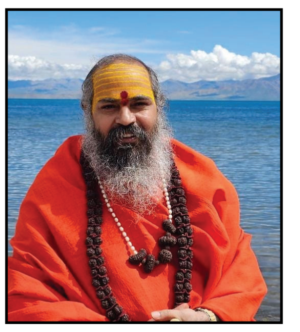

अलीगढ। भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को हर साल भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बड़े धूम धाम से मनाया जाता है,इसे श्री कृष्ण जन्माष्टमी के नाम से भी जाना जाता है ।मान्यता है कि भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में रात्रि 12 बजे भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इस बार श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर भक्तों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है,वैदिक ज्योतिष संस्थान के प्रमुख स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के विषय में जानकारी स्पष्ट करते हुए कहा कि स्मार्त्त (गृहस्थ) तथा वैष्णव (सन्यासी) सम्प्रदाय के अनुयाई इस व्रत को भिन्न-भिन्न दिनों में किया करते हैं। स्मार्त्तजन अर्धरात्रिव्यापिनी अष्टमी के ही दिन यह व्रत करते हैं, श्रीम ?द्भागवत के अनुसार यह स्मार्त्त मत युक्तियुक्त भी है, क्योंकि इसके अनुसार श्रीकृष्ण का जन्म अर्धरात्रि के समय चंन्द्रोदयहोने पर अष्टमी तिथि में हुआ था,लेकिन वैष्णव सम्प्रदाय के लोग अर्धरात्रिव्यापिनी अष्टमी की भी उपेक्षा करके पर (नवमी) युता अष्टमी में ही उपवास करने की परम्परा रखते हैं। वे सप्तमी विद्धा अष्टमी में व्रत नहीं करते। इस वर्ष 15 अगस्त को रात्रि 11:49 मिनट से अष्टमी तिथि प्रारम्भ हो जायेगी जो स्मार्त्त मतानुसार अर्धरात्रि में वर्तमान रहने के कारण स्मार्त्तजनों के व्रत के लिए ग्रहण कही जायेगी। अष्टमी तिथि 16 अगस्त को रात्रि 09:34 मिनट पर समाप्त हो जायेगी। अतः स्मार्त और वैष्णव के अनुसार रोहिणी नक्षत्र के विना ही दोनों दिन यानि 15 और 16 अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी मनायी जाएगी। हालांकि रोहिणी नक्षत्र 17 अगस्त की अहले सुबह 4:38 मिनट से लग रहा है जो कि अगले दिन 18 अगस्त को 3:17 मिनट तक रहेगा ।15 और 16 अगस्त को कर्क राशि में बुध और कन्या राशि में मंगल होने से 60 डिग्री का संयोग बन रहा है,इसे त्रिएकादश योग कहते है,लाभ दृष्टि योग का भी निर्माण हो रहा है। 15 अगस्त के दिन सर्वार्थसिद्धि योग व वृद्धि योग का निर्माण हो रहा है ।इस दिन भरणी नक्षत्र रहेगा इस दिन चंद्रमा मेष राशि में रहेंगे वहीं सूर्य कर्क राशि में रहेंगे ।16 अगस्त के दिन वृद्धि और घ्रुव योग का निर्माण हो रहा है ।साथ ही सूर्य सिंह राशि में रहेंगे इस दिन भी भरणी नक्षत्र प्रातः 06:05 तक रहेगा, उसके बाद कृत्तिका नक्षत्र रहेगा। स्वामी जी के अनुसार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर कृष्ण को पूजने वाले लोग अपनी इंद्रियों पर विजय पाते हैं। इस बार कृष्ण जन्मोत्सव पर अमृतसिद्धि और सर्वार्थसिद्धि का अद्भुत योग बन रहा है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भरणी, कृतिका नक्षत्र के भी योग हैं, जो इस दिन को और भी विशेष बना रहा है। पौराणिक कथा के अनुसार, मथुरा के अत्याचारी राजा कंस को भविष्यवाणी सुनकर डर लग गया कि देवकी का आठवां पुत्र उसे मारेगा,इसलिए उसने देवकी और उनके पति वासुदेव को जेल में बंद कर दिया तथा पहले सात बच्चों को मार परन्तु आठवें पुत्र का जन्म होने के समय मध्य रात्रि बिजली चमकी, ताले अपने आप खुल गए और भगवान कृष्ण का जन्म हुआ ।वासुदेव ने श्रीकृष्ण को सुरक्षित गोकुल में नंद माता-पिता के यहां पहुंचाया, जबकि अपनी बेटी को कंस के हवाले किया ।बाद में भगवान कृष्ण ने कंस का वध कर दंड दिया और अधर्म का अंत किया। श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत और पूजन के बारे में स्वामी जी ने बताया कि प्रातः काल सूर्योदय पूर्व स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहनकर भगवान कृष्ण की प्रतिमा का गंगा जल और दूध से अभिषेक करवाकर,नए वस्त्र पहनाकर फूल, फल, मिठाई व मिश्री से भोग लगायें।

फास्ट ट्रैक

हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस: एडीएम(प्रशा.)

विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजकों के साथ समीक्षा बैठक की गयी

सहारनपुर 12 अगस्त। एक लम्बे संघर्ष व बलिदानों के बाद 15 अगस्त 1947 को हमारे देश को स्वाधीनता मिली थी। इसी श्रृंखला में इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के 79 वर्ष के कार्यक्रमों को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराये जाने व अन्तिम रूप दिये जाने के संदर्भ में विभिन्न कार्यक्रमों से विभिन्न संगठनों व संस्थाओं के प्रमुख प्रतिनिधियों की एक बैठक आज कलेक्टेज्ट परिसर में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) के कक्ष में आयोजित की गयी जिसमें व्यापार मण्डल समेत अनेक संगठनों के प्रमुख प्रतिनिधि शामिल हुए। उक्त जानकारी देते हुए व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी शीतल टण्डन ने बताया कि सभी प्रतिनिधियों की ओर से उनके द्वारा अपर जिलाधिकारी प्रशासन संतोष बहादुर सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, राधेश्याम तथा सिटी मजिस्टेज्ट कुलदीप सिंह का तिरंगे अंगवस्त्र के साथ अभिनन्दन किया गया। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों द्वारा 15 अगस्त को आयोजित होने वाली प्रभात फेरी, अनेक ध्वजारोहण कार्यक्रम, महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, विभिन्न संस्थाओं में वितरित किये जाने वाले फल वितरण, रूटमार्च, घंटाघर पर सलामी कार्यक्रम, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों का सम्मान, रंगोली, क्रॉस कंट्री रेस, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता व वॉल पेटिंग प्रतियोगिता आदि के बारे में विस्तार पूर्वक अनेक सुझावों के साथ चर्चा की गयी। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने कहा कि सभी संगठन संस्थाएं व नागरिक विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का स्वाधीनता समारोह हर्षोल्लास के साथ मनायेंगे। 13,14 एवं 15 अगस्त को हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा कार्यक्रम में सभी नागरिक व व्यापारी अपने-अपने घरों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहरायेंगे। साथ ही दीपमाला जलाकर स्वाधीनता दिवस को और उल्लासपूर्वक मनायेंगे। उन्होंने कहा कि एक लम्बे संघर्ष और अनेक बलिदानों के साथ जो स्वाधीनता हमें मिली है, देश के प्रति हमें अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना होगा। उन्होंने आशा प्रकट की कि कार्यक्रमों के सभी आयोजक सभी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न करायेंगे। इस अवसर पर शीतल टण्डन, महेन्द्र तनेजा, राजेश जैन, महेन्द्र सचदेवा, हेमंत जोशी, अल्पना तलवार, आमिर खान, दलजीत सिह कोचर, ब्रित चावला, अशोक पोसवाल, हामिद सलीम खान, जहांगीर आलम उपस्थित रहे।

मंथन बैठक में उद्यमियों की समस्याओं पर विचार विमर्श

भारत संवाद

सहारनपुर। चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा की अध्यक्षता में मंथन मीटिंग संस्था के चैप्टर सचिव कुशल शर्मा की इकाई साई रबर प्रोडक्ट्स, देहरादून रोड़ सहारनपुर पर आयोजित की गई। जोन हैड एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव अरोड़ा ने बताया कि प्रत्येक औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियो के साथ संवाद करे ताकि वहां के उद्यमी सदस्य बैठक में अपनी समस्याओं को सभी से साझा कर सकें। साथ ही बताया कि मंथन बैठक से पूर्व उक्त क्षेत्र के एरिया हैड, कन्वीनर एवं को-कन्वीनर को सदस्यों की समस्या को जानना चाहिए ताकि बैठक में उपरोक्त समस्या के समाधान पर चर्चा की जा सके। मंथन बैठक प्रत्येक माह निरन्तर होती रहनी चाहिए ताकि उक्त औद्योगिक क्षेत्र के सदस्यों का संस्था के पदाधिकारीगणों के साथ समन्वय बना रहे ।राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद सडाना ने मंथन बैठक में बताया कि आईआईए के मिशन पर फोकस है। एमएसएमई के ग्रोथ के लिए आईआईए दृढ़ सकल्पित है, एमएसएमई के ग्रोथ के लिए एक्सपोर्ट फैसिलिटेशन सेन्टर व वेंडर डेवलपमेंट प्लान को आगे बढ़ाने आदि के सम्बन्ध में काफी प्रयास किये जा रहे है ।चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा ने सर्वप्रथम कुशल शर्मा का इतनी सुन्दर मीटिंग के आयोजन के लिए धन्यवाद करते हुए कहा कि आप सभी वरिष्ठ सदस्यों व एरिया हैड कन्वीनर, को-कन्वीनर के सहयोग से मंथन मीटिंग निरन्तर प्रत्येक माह होती रहेगी। मंथन मीटिंग से आईआईए और अधिक मजबूत होगी और सदस्यों की समस्याओं का समाधान भी होगा व आपसी समन्वय भी बनेगा। साथ ही आप सभी वरिष्ठ सदस्यों के मार्ग दर्शन से चैप्टर टीम निरन्तर गतिविधियां करती रहेगी। चैप्टर सचिव कुशल शर्मा जी ने मंथन बैठक में बताया कि देहरादून रोड़ औद्योगिक क्षेत्र जैसे कुम्हारहेडा एरोसोल फार्मा से लेकर मैसर्सः- साई रबर प्रोडक्ट्स तक आर.सी.सी सड़क व स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था, पानी निकासी हेतु सम्बन्धित नगर निगम/जिला पंचायत विभाग से करवाये जाने पर चर्चा की गई ।कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन कालड़ा ने मंथन बैठक में मैम्बरशीप ग्रोथ बढ़ाये जाने पर चर्चा की ।मंथन बैठक में राष्ट्रीय सचिव संजय बजाज, जिला उद्योग बंधु कन्वीनर सुनील सैनी, पिलखनी औद्योगिक क्षेत्र एवं खाद्य विभाग कन्वीनर अनुज कुमार जैन, कामधेनू एरिया हैड अतीश गुप्ता, देहरादून रोड़ को-कन्वीनर पार्थ दहूजा, व विकास मलिक, स0 अवजीत सिंह आदि सदस्य उपस्थित रहें।

खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व जिला अध्यक्ष चौधरी कालीचरण सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ इगलास विधानसभा के गांव शहरी मदनगढ़ी मे कार्यक्रम संस्थापक स्वर्गीय रामदयाल सरपंच की पुण्यतिथि पर एक विशाल खेलकूद टूनार्मेंट का आयोजन किया जिसका फीता काटकर शुभारंभ मुख्य अतिथि चौधरी कालीचरण सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष ने किया और खिलाड़ियों को प्रोत्सहान के रूप मे 11000 रुपए की नगद धनराशि खिलाड़ियों को भेंट की और कहा कि भविष्य में भी हमेशा अपने युवा बच्चों के साथ ऐसे ही कंधे से कंधा मिलाकर हमेशा साथ रहेंगे और कहा कि कुश्ती दंगल व मेला आदि तरह के आयोजन हमारे भारतवर्ष की प्राचीन परंपरा है यह ग्रामीण क्षेत्र में शुरू से ही विकसित है जो आज तक चली आ रही है इस परंपरा का मुख्य उद्देश्य समाज को एक धारा में पिरोना तथा आपसी मेल जोल ,भाईचारा व सौहाद्र पूर्ण वातावरण बना रहे /ऐसे आयोजनों की समाज में अधिक से अधिक जरूरत है और ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है एवं आपसी सहयोग की भावना पनपत्ति है तथा ग्रामीण क्षेत्र में इस तरीके के कार्यक्रमों से एक रचनात्मक व सकारात्मक भूमिका उभरती व सभी बिरादरियों में मेल-जोल आपसी प्यार बना रहता है पूर्व जिला अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जयंत सिंह केंद्रीय मंत्री कौशल विकास एवं शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार ने तो अपनी पूरी सांसद निधि युवाओं के खेलकूद के लिए दे रखी है उन्होंने कहा कि इगलास विधानसभा में एक स्टेडियम के लिए भी चौधरी जयंत सिंह से बात की है उन्होंने पूरा भरोसा दिया है प्राचीन काल से यह मेला छोटे एवं लघु किस्म के रोजगार करने वाले परिवारों को अच्छा खासा रोजगार मिलता है एवं मनोरंजन का भी एक साधन होता है अंत में मेला कमेटी व समस्त ग्रामीण का सही दिल से आभार व्यक्त किया व बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी /इस मौके पर शीलू चौधरी ,महावीर सिंह प्रधान जी ,बबलू पहलवान जी , सुधीर चौधरी , मुन्नीलाल जी , नेत्रपाल सिंह जी , मुकेश कुमार ,सुनील कुमार, जगबीर सिंह ,कमल सिंह रामकेश भगत जी अरविंद चौधरी अंकित चौधरी आदि मौजूद रहे

अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति ने पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक को दी श्रद्धांजलि

बहादुर सिंह संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ़ ।यहां के कस्बा गोंडा के बालाजी गेस्ट हाउस में अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति व लगसमा सुधार समिति ने संयुक्त रूप से पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय सतपाल मलिक के निधन से आहत हैं आज उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए सभा का आयोजन कर किया गया। इस श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता बाबा राज सिंह की तथा संचालन भूदेव सिंह कुंतल ने किया। मौजूद सभी लोगों ने सर्व प्रथम स्वर्गीय सत्यपाल मलिक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया उसके वाद सभी दो मिनट का मौन रख कर अपने नेता के प्रति आस्था व्यस्त की, इस श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करने वालों में चौधरी विजेंद्र सिंह, किसान नेता हरीराज सिंह लगसमा सुधार समिति के अध्यक्ष राकेश प्रधान भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष नत्थी सिंह, जगराम सिंह सत्येंद्र सिंह अनिल चौधरी, पुष्पेंद्र सिंह, संतोष सिंह, कैप्टन हरपाल सिंह, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, जगदीश सिंह, सुभाष सिंह आदि दर्जनों लोगों ने सत्यपाल मलिक के जीवन शैली पर प्रकाश डालते हुए उनके पद चिन्हों पर चलने का आह्वान किया सभी ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। वहीं अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष किसान नेता चौधरी सत्यवीर सिंह सत्तो ने मलिक साहब के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि देते हुऐ कहा भाजपा की केंद्र सरकार किसानों की विरोधी तो है ही यह जाट विरोधी भी है। सत्यपाल मालिक का राज्यकीय संम्मान के साथ किया जाना चाहिए था पर सरकार ने उन्हें वह संम्मान नहीं दिया जिसके वह हक दार थे। उन्होंने कहा ऐसे ही किसानों के हमदर्द जाट नेता रहे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड से भी जबरदस्त त्यागपत्र ले लिया। सत्यपाल मलिक विधायक, सांसद, केंद्रीय मंत्री के अलवा कई राज्यों के राज्यपाल रहे थे श्रद्धेय मलिक को अंतिम

समय राष्ट्रीय सम्मान न देना इससे बड़ा अपमान देश के किसान व जाट समाज का दूसरा नहीं हो सकता। वही केंद्र जाट आरक्षण के लिए जाट समाज से चुनावों के समय आरक्षण देने के झूठे वादे करना इससे प्रतीत होता है कि केंद्र की भाजपा सरकार किसानों व जाटों की विरोधी है इस मौके पर डॉक्टर चौधरी दुर्गेश सिंह चौधरी संदीप सिंह कुलदीप सिंह सिकरवार वीरपाल सिंह दिवाकर धर्मेंद्र सिंह ठकुरेला वीरेंद्र सिंह प्रधान नरेंद्र कुमार अशोक कुमार फौजदार मनोज चौधरी सहित क्षेत्र के सैकड़ो जाट नेताओं के अलवा भारी तादात में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस महकमे में मचा हड़कंप जब उसी थाने पर तैनात होमगार्ड निकला गैंगस्टर

भारत संवाद / नासिर हुसैन

आजमगढ़ में पुलिस विभाग को हिलाकर रख देने वाला मामला सामने आया है। मुबारकपुर थाने में तैनात होमगार्ड निरंकार राम न केवल कानून की रक्षा का जिम्मा निभा रहा था, बल्कि पिछले 22 वर्षों से संगठित अपराध की दुनिया में सक्रिय भी था। गांजा तस्करी, लूट, डकैती और पाक्सो एक्ट जैसे गंभीर मामलों में नाम आने के बावजूद, उसे मालखाने की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया था। चौंकाने वाली बात यह है कि जिन मामलों में वह आरोपी था, उनमें से छह मुकदमे उसी थाने में दर्ज थे जहां उसकी तैनाती थी। प्रदेश के टॉप अपराधियों से उसके कथित संबंधों ने पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है, और अब विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं ।आजमगढ़ पुलिस के लिए यह एक बड़ा झटका है इस मामले में होमगार्ड निरंकार राम की असली पहचान उजागर होने के बाद विभाग के भीतर गहरी हलचल मच गई है। बताया जा रहा है कि उसकी तैनाती वर्ष 2001 में मुबारकपुर थाने पर हुई थी। शुरूआती वर्षों में वह सामान्य ड्यूटी निभाता रहा, लेकिन 2003 में उसने अपराध की दुनिया में कदम रख दिया ।सूत्रों के मुताबिक, निरंकार राम पिछले सालों में गांजा तस्करी से लेकर लूट, डकैती और नाबालिग से जुड़े गंभीर अपराधों तक में शामिल रहा। उस पर पाक्सो एक्ट सहित कुल आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से छह मुकदमे उसी थाने में दर्ज हैं, जहां वह ड्यूटी कर रहा था ।सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि मुबारकपुर थाने के प्रभारी उसे लगातार मालखाने की सुरक्षा जैसे संवेदनशील काम सौंपते रहे, जबकि उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज थे। यह भी चर्चा है कि उसका सीधा संबंध प्रदेश के टॉप 10 अपराधियों से है, जिसके चलते वह लंबे समय तक पुलिस की पकड़ से बाहर रहा ।इस खुलासे के बाद से यूपी पुलिस की कार्यप्रणाली और आंतरिक जांच व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। फिलहाल, आजमगढ़ पुलिस विभाग ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है, और संभावना है कि आने वाले दिनों में कई और चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं।

सुनील गुप्ता चौथी बार अध्यक्ष, श्रीरामलीला महोत्सव-2025 की तैयारियां शुरू

वृंदावन के कलाकार देंगे भव्य प्रस्तुति, 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक चलेगा आयोजन, 2 अक्टूबर को लगेगा दशहरा मेला

भारत संवाद / योगेश शर्मा

इगलास। श्रीरामलीला महोत्सव-2025 के भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस सिलसिले में कमेटी गठन की बैठक अश्वनी शर्मा उर्फ.दाऊजी नंबरदार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से सुनील गुप्ता को चौथी बार कमेटी का अध्यक्ष चुना गया। महामंत्री पद पर विष्णु शर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर श्यामू लाला (चक्की वाले) तथा उपाध्यक्ष पदों पर नरेंद्र गुप्ता और अनिल शर्मा का चयन किया गया। शेष पदाधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार अध्यक्ष सुनील गुप्ता को प्रदान किया गया। बैठक में पिछले वर्ष का आय-व्यय विवरण भी प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष सुनील गुप्ता और महामंत्री विष्णु शर्मा ने संयुक्त रूप से बताया कि इस वर्ष महोत्सव को और अधिक भव्यता प्रदान की जाएगी। आयोजन में वृंदावन के प्रसिद्ध कलाकार विशेष प्रस्तुति देंगे और श्रीराम जी की बारात में भी बाहरी कलाकारों को बुलाया जाएगा। महोत्सव 19 सितंबर से प्रारंभ होकर 4 अक्टूबर तक चलेगा। 2 अक्टूबर को दशहरा मेला भी शानदार तरीके से आयोजित किया जाएगा। इस दौरान शहर की गलियां भगवान राम के जयकारों से गूंज उठेंगी और मंच पर होने वाले धार्मिक प्रसंग श्रद्धालुओं को दिव्य अनुभव कराएंगे। बैठक में सत्यप्रकाश शर्मा एडवोकेट, वीरेंद्र शर्मा एडवोकेट, विष्णु अग्रवाल, हेमकांत चंदेल, सुधीर चौधरी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कमेटी ने नगरवासियों व आसपास के श्रद्धालुओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में आकर इस धार्मिक महोत्सव की भव्यता को सफल बनाएं और श्रीराम के जीवन से प्रेरणा लें।

बीएमएसएफ मानवाधिकार ने निकाली तिरंगा रैली

सहारनपुर। बीएमएसएफ मानवाधिकार द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर अजय सिंह, महापौर सहारनपुर। द्वारा इसका उद्घाटन किया गया। सभा में मुख्य रूप से उपस्थित। महेंद्र तनेजा,सरदार एम पी सिंह चावला, रैली महाराजसिंह डिग्री कॉलेज ग्राउंड से शुरू होकर देहरादून चैक होते हुए हॉस्पिटल पुल होते हुए। कोट रोड कोर्ट रोड से दिल्ली रोड और दिल्ली रोड से हसनपुर चुंगी होते हुए अंबाला रोड, अम्बाला रोड से कोट रोड होते हुए मिशन कंपाउंड, सेट मैरिज स्कूल के पास, ओवर हुए। रैली का उद्देश्य देश की एकता को अखंडता को याद करते हुए

एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों ने पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल ए.के सिंह से शिष्टाचार भेंट की

भारत संवाद

सहारनपुर। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की सहारनपुर टीम ने सहारनपुर में एक मंदिर स्थल पर राष्ट्रीय अध्यक्ष (राजनीतिक सेल) गौरव गाबा के साथ आज राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य और पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह से शिष्टाचार भेंट की गई। इस भेंट के दौरान भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में उनकी भूमिका और अनुभवों पर चर्चा की गई ।ए के सिंह जी ने हमें अपने बहुमूल्य समय और ज्ञान से सम्मानित किया और हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सभी पदाधिकारियों ने उनके उच्च विचार और मार्गदर्शन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। संघटन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव गाबा ने कहा की एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की टीम श्री ए के सिंह जी के साथ मिलकर भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में और भी मजबूत कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें उम्मीद है कि इस भेंट से हमें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी और हम समाज में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मजबूत संदेश दे पाएंगे ।गौरव गाबा द्वारा एक पत्र भी ए के सिंह को दिया गया जिसमे राष्ट्रीय सलाहकार श्री अजीत ढोबाल जी से संघटन के ३-४ पदाधिकारियों की शिष्टाचार भेंट के लिए आग्रह किया गया जिससे उनके साथ भी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में उनके साथ विचार साझा किए जा सके क्यूंकि अगर भारत को विकसित राष्ट्र बनना है

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मुख्य परियोजना प्रबन्धक / गतिशक्ति / पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई– टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

कार्य का नामः पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल के अहिल्यापुर हाल्ट स्टेशन पर (ट्रैक कार्य के अलावा) तीसरी रनिंग लाईन और रेक हैन्डलिंग प्लेटफार्म के साथ नये गुडस शेड के निर्माण का कार्य। ई–निविदा सूचना सं0: डीवाईसीई–जीएस–बीएसबी–06–2025, अनुमानित लागत–₹ 23,80,10,227.69, अमानत राशि– ₹ 13,40,100.00, निविदा बन्द होने की तिथि–08.09.2025, 15.00 बजे तक, स्वीकृति पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन / अवधि की तिथिः 12 माह।

निविदा सूचना संख्या डीवाईसीई–जीएस –बीएसबी–06–2025 दिनांक 11.08.2025 को 08.09.2025 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे।

पूर्ण विवरण एवं निविदा के प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा

उप मुख्य इंजी0 / गतिशक्ति
मुजधि / डब्लू–200 **वाराणसी**

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक सूचना

उत्तर मध्य रेलवे, के अन्तर्गत प्रयागराज मंडल के नैनी मानिकपुर खंड में समपार संख्या 415-ए के स्थान पर 2 लेन आरओबी के रेलवे हिस्से के निर्माण कार्य हेतु 17 अगस्त 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक समपार संख्या 415-ए से सभी प्रकार का यातायात बंद रहेगा। इस दौरान, हल्के सड़क यातायात को शंकरगढ़ रोड पर स्थित निकटवर्ती समपार संख्या 418 एवं 415-बी से डायवर्ट किया जाएगा और भारी वाहन गौहनिया-जसरा मार्ग से होकर शंकरगढ़ से गुजरेंगे। उपरिगामी सेतु का निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात नवनिर्मित रेल उपरिगामी सेतु से सड़क यातायात नियमित हो जायेगा।

आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

उप मुख्य इंजीनियर- II
गति शक्ति यूनिट
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

1435/25 (D)

North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. DY.CPM-GSU-PRYJ-04-2025 **दिनांक : 06.08.2025**

ई–निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई- निविदाएं प्रपत्र पर दिनांक 29.08.2025 को 13:30 बजे तक आंमत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार हैः-

क्र.सं : 1	**निविदा नं.:** GSU-04	**अनुमानित मूल्य (₹) :** ₹ 153168218 .64
कार्यों का विवरणः अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत टूंडला, खुर्जा स्टेशन पर चरण-I पुनर्विकास कार्यों के अत्यधिक लक्षित बचे हुए कार्य को पूरा करना।		
बयाने की रकम ₹ : ₹ 915900	**कार्य समापन की अवधि :** 6 Months	
निविदा खुलने की तिथि : 29.08.2025		
इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अन्तर्गत सिमिलर कार्य : BUILDING WORK		

नोट :- 1. आन लाइन निविदा दिनांक 29.08.2025 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।, **2.** उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 29.08.2025 तक उपलब्ध है। **1439/25(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एवं मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

डस्की स्किन वाली महिलाओं जरूर ट्राई करें ये मेकअप हैक्स, बढ़ जाएगी चेहरे की खूबसूरती

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती हैं, जिसके लिए वह काफी प्रयास भी करती हैं। डस्की स्किन को खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर आपकी स्किन भी डस्की है, तो आप भी अपने चेहरे को खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए मेकअप करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं। जिनका इस्तेमाल करने से आप आसानी से डस्की स्किन को खूबसूरत बना सकती हैं। हम आपको डस्की स्किन पर मेकअप करने के लिए आप कुछ टिप्स बताने जा रहे हैं।

सही फाउंडेशन

मेकअप करने से पहले सही फाउंडेशन का चुनाव करना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आप ऑरेंज या ब्राउन टोन फाउंडेशन का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह डस्की स्किन के लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है।

कोरल शेड ब्लश

डस्की स्किन वाली लड़कियां कोरल शेड ब्लश का इस्तेमाल कर सकती हैं। यह इस स्किन टोन वाली लड़कियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। वहीं आंखों का मेकअप करने के लिए आप ब्लैक कलर के लाइनर का यूज कर सकती हैं। वहीं आप आईशैडो भी लाइट कलर को चुनें।

वॉर्म टोन लिपस्टिक

अगर आप लिपस्टिक के कलर को चुनने में कंफ्यूज हो रही हैं, तो डस्की स्किन वाली लड़कियां वॉर्म टोन वाली लिपस्टिक चुन सकती हैं। यह शेड्स आपके चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने में सहायता करते हैं।

न्यूड शेड कंपैक्ट पाउडर

मेकअप के समय जब भी आप कंपैक्ट पाउडर का इस्तेमाल करें, तो इसका शेड न्यूड ही रखें। यह कंपैक्ट पाउडर मेकअप को खास बनाने में मदद करेगा। डस्की स्किन वाली लड़कियों के लिए यह मेकअप टिप्स बहुत काम आएंगे।

रात में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं एलोवेरा जेल, त्वचा को मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

दादी-नानी के जमाने से एलोवेरा जेल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता रहा है। आइए एलोवेरा जेल लगाने के कुछ कमाल के स्किन बेनिफिट्स के बारे में जानकारी हासिल करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद एलोवेरा जेल

क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकता है? अगर आप सही तरीके से एलोवेरा जेल को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं, तो आप अपनी स्किन को फ्लॉलेस बना सकते हैं। हर रोज रात में सोने से पहले फेस वॉश कीजिए और फिर साफ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाइए। महज कुछ ही हफ्तों के अंदर आपको खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

सुधारे चेहरे की रंगत

एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी त्वचा की डीप क्लीनिंग करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हर रोज एलोवेरा जेल यूज करने से त्वचा की रंगत काफी हद तक सुधर सकती है। अगर आप अपनी डल स्किन से छुटकारा पाना चाहते हैं और अपनी स्किन को ग्लोइंग बनाना चाहते हैं, तो हर रोज एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करना शुरू कर दीजिए।

दूर हो जाएंगे दाग-धब्बे

क्या आपके चेहरे पर अक्सर दाग-धब्बे या फिर मुंहासे निकल आते हैं? अगर हां, तो आपको अपने स्किन केयर रूटीन में एलोवेरा जेल को जरूर शामिल करना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर एलोवेरा जेल दाग-धब्बे और मुंहासे की समस्या को दूर करने में असरदार साबित हो सकता है। इसके अलावा एलोवेरा जेल टैनिंग की समस्या से छुटकारा दिलाने में भी कारगर साबित हो सकता है।

त्वचा के लिए वरदान

रेगुलरली एलोवेरा जेल यूज करके झुर्रियों और फाइन लाइन्स को कम किया जा सकता है। जलन और खुजली जैसी स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा पाने के लिए भी एलोवेरा जेल का इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा जेल में विटामिन ई और एंटीऑक्सीडेंट्स समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जो आपकी त्वचा के लिए वरदान साबित हो सकती है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए ध्यान रहे कि एलोवेरा जेल फ्रेश और केमिकल फ्री होना चाहिए।

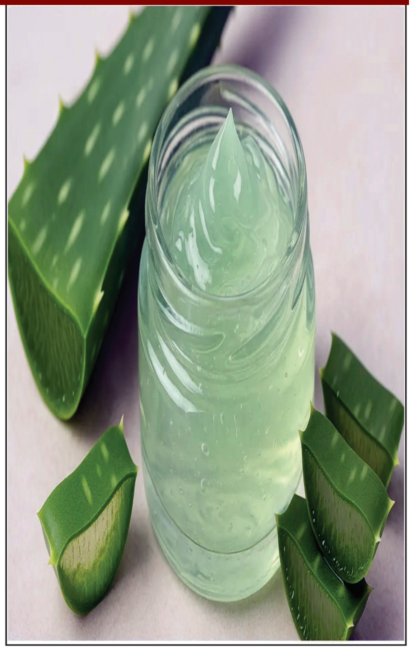

दीवार और छत की काई हटाने का आसान तरीका, ये 4 घरेलू नुस्खे हैं फायदेमंद

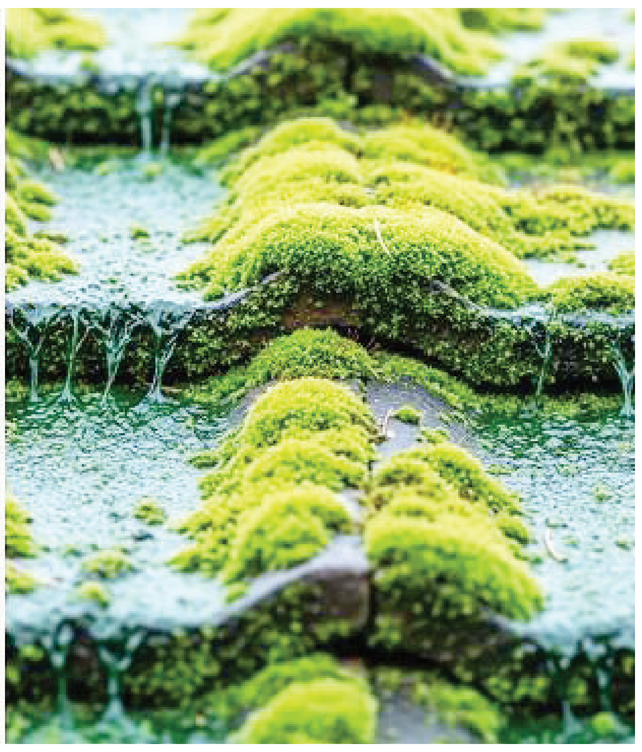

जब बारिश का मौसम आता है तो ठंडी हवा और हरियाली से हर कोई खुश हो जाता है। बारिश की वजह से वातावरण में सुकून और ताजगी भी महसूस होती है। लेकिन कुछ ही दिनों में यही बारिश कई तरह की परेशानियां लेकर आती है। उन परेशानियों में से एक बड़ी समस्या है घर की दीवारों और छतों पर काई लगना। हरे रंग की काई न केवल देखने में खराब लगती है, बल्कि दीवारों को नुकसान भी पहुंचाती है। इसके अलावा काई फिसलन भरी होती है, जिससे गिरने का खतरा भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग इस समस्या से निजात पाने के लिए नींबू और नमक का देसी नुस्खा इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इसके अलावा भी कुछ और घरेलू उपाय हैं जिनकी मदद से आप घर की दीवारों और छतों की काई आसानी से साफ कर सकते हैं।

नींबू और नमक का देसी नुस्खा

नींबू और नमक का पेस्ट बनाना बहुत आसान है। सबसे पहले एक कटोरे में नींबू का रस लें और उसमें नमक डालकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को सीधे काई वाली जगह पर अच्छी तरह लगाएं। इसे 15-20 मिनट के लिए छोड़ दें ताकि नींबू का एसिड और नमक का खुरदुरापन काई को ढीला कर सके। अब एक कड़े ब्रश या स्क्रबर की मदद से अच्छी तरह रगड़कर काई को साफ करें। इसके बाद पानी से धो लें। यह तरीका बहुत प्रभावी होता है क्योंकि नींबू का एसिड और नमक मिलकर काई को हटाने में मदद करते हैं।

बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट

अगर आप कोई और तरीका अपनाना चाहते हैं तो बेकिंग सोडा और विनेगर का पेस्ट भी बहुत अच्छा काम करता है। इसके लिए बेकिंग सोडा और विनेगर को मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बनाएं। यह पेस्ट लगाने पर झाग बनेगा, जो सामान्य है। इसे काई वाली जगह पर 30 मिनट से 1 घंटे तक लगा रहने दें। फिर एक ब्रश की मदद से रगड़कर पानी से साफ कर लें। विनेगर में मौजूद एसिटिक एसिड और बेकिंग सोडा के क्षारीय गुण मिलकर काई को असरदार तरीके से हटाते हैं।

ब्लीच और पानी का घोल

ब्लीच काई और फंगस को मारने के लिए सबसे तेज़ और असरदार तरीका है। लेकिन इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतनी बहुत जरूरी है। एक बाल्टी में 1 हिस्सा ब्लीच और 3-4 हिस्से पानी मिलाकर घोल तैयार करें। इसे स्प्रे की मदद से या ब्रश से काई वाली जगह पर लगाएं। 15-20 मिनट के बाद ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। ध्यान रखें कि ब्लीच लगाते समय दस्ताने और मास्क जरूर पहनें ताकि आपकी त्वचा और सांस सुरक्षित रहे।

टी ट्री ऑयल और पानी का स्प्रे

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटी-फंगल है, जो हल्की काई के लिए बहुत कारगर है। इसे इस्तेमाल करना भी बहुत आसान है। एक स्प्रे बोतल में एक कप पानी लें और उसमें 10-15 बूंदें टी ट्री ऑयल डालें। इसे अच्छी तरह मिलाएं और फिर इस मिश्रण को काई वाली जगह पर छिड़क दें। छिड़काव के बाद इसे सूखने दें। इस प्रक्रिया में रगड़ने या धोने की जरूरत नहीं होती। टी ट्री ऑयल धीरे-धीरे काई को बढ़ने से रोकता है और खत्म भी कर देता है।

डिटर्जेंट और गर्म पानी

अगर काई मामूली हो तो डिटर्जेंट और गर्म पानी का घोल भी एक आसान और असरदार उपाय है। एक बाल्टी में गर्म पानी लें और उसमें कोई भी लॉन्ड्री डिटर्जेंट या डिशवॉश लिक्विड डालकर घोल बनाएं। इस घोल को काई वाली जगह पर स्प्रे करें या ब्रश से लगाएं। 15-20 मिनट बाद ब्रश से रगड़कर साफ करें और फिर पानी से धो लें। डिटर्जेंट गंदगी और चिकनाई को ढीला करने में मदद करता है, जिससे काई आसानी से हट जाती है।

सावधानियां और सुझाव

काई साफ करते समय हमेशा दस्ताने पहनें ताकि हाथों को नुकसान न पहुंचे।

ब्लीच या विनेगर जैसे तेज़ रसायनों का इस्तेमाल खुली हवा में करें।

अगर दीवारें बहुत ज्यादा खराब हो गई हैं तो पेशेवर मदद लेना बेहतर होता है।

नियमित सफाई से भी काई लगने से बचाव हो सकता है।

बारिश के मौसम में काई की समस्या को नजरअंदाज न करें। ऊपर बताए गए ये घरेलू नुस्खे आजमाकर आप अपने घर की दीवारों और छत को साफ और सुरक्षित रख सकते हैं। इससे आपका घर सुंदर दिखेगा और गिरने-फिसलने का खतरा भी कम होगा।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

एक साथ देती है कई फायदे, बस जान लें इस्तेमाल का सही तरीका

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं।

अलसी है बालों के लिए बेहद फायदेमंद

अगर आप तेज़ी से बाल बढ़ाना चाहते हैं, तो अलसी के बीज आपके लिए कमाल कर सकते हैं। इनमें विटामिन बी, मैग्नीशियम, मैंगनीज, सेलेनियम और ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं। ये सभी पोषक तत्व बालों को झड़ने से रोकते हैं और उन्हें बढ़ने में मदद करते हैं। सबसे खास बात, अलसी के बीजों से बना जेल बालों की कोशिकाओं को खोलकर उनके विकास को बढ़ावा देता है। आइए, जानते हैं इसके फ़ायदे और इसे बनाने का तरीका।

बालों के लिए अलसी के जेल के फ़ायदे

झड़ते बालों में फ़ायदेमंद : अलसी के बीज विटामिन ई का एक बड़ा स्रोत हैं, जो बालों के विकास में मदद करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को झड़ने से रोकते हैं और स्कैल्प को नुकसान से बचाते हैं।

बालों को पोषण देता है : अलसी ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। ये फैटी एसिड बालों के विकास को बढ़ावा देते हैं। सबसे पहले, ये फैटी एसिड बालों के रोमछिद्रों को पोषण देते हैं और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे बाल कम खराब होते हैं और स्वस्थ रहते हैं। पीएच स्तर को संतुलित रखता है : तेज़ी से बाल बढ़ाने के लिए स्कैल्प के पीएच स्तर को संतुलित रखना बहुत ज़रूरी है। अलसी का जेल इसमें आपकी मदद कर सकता है और स्कैल्प को शांत करता है। यह तेल बनाने वाली ग्रंथियों को प्रभावित करता है, जिससे सही मात्रा में तेल बनता है और बाल स्वस्थ रहते हैं। इससे बाल तेज़ी से बढ़ने लगते हैं।

अलसी का जेल कैसे बनाएं?

बालों के लिए अलसी का यह जेल आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। बस इन बातों का ध्यान रखें। एक बर्तन में 2 कप साफ़ पानी और आधा कप अलसी के बीज डालकर, गाढ़ा होने तक उबालें। जब यह गाढ़ा होने लगे, तो 1-2 टेबलस्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। जब यह जेल जैसा दिखने लगे, तो आंच बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होने पर यह और गाढ़ा हो जाएगा। ठंडा होने के बाद, आप इस जेल को एक कंटेनर में स्टोर कर सकते हैं। इस अलसी के हेयर जेल को बालों में लगाएं।

पाकिस्तानी आर्मी चीफ की धमकी- जामनगर रिफाइनरी को उड़ा देंगे

अमेरिका में कहा था- हम डूबे तो आधी दुनिया को ले डूबेंगे

एजेंसी

टेक्सास, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असिम मुनीर ने गुजरात में रिलायंस इंडस्ट्रीज के जामनगर रिफाइनरी को निशाना बनाने की धमकी दी है। ये दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-साइट रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स है। टाइम्स ऑफ इंडिया कि रिपोर्ट के मुताबिक 10 अगस्त को फ्लोरिडा के टेम्पा में डिनर के दौरान मुनीर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के बारे में बताया, जिसमें कुरान की आयत के साथ रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी की तस्वीर थी। मुनीर ने कहा था, 'अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।' मुनीर ने दावा किया कि हाल के भारत-पाक संघर्ष के दौरान उन्होंने इस पोस्ट को जारी करने की मंजूरी दी थी ताकि भारत को दिखाया जाए कि अगली बार हम क्या करेंगे। इसे हमले की चेतावनी के तौर पर देखा जा रहा है। मुनीर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट का जिक्र किया, जिसमें रिलायंस अध्यक्ष मुकेश अंबानी को कुरान की एक आयत (सूरह अल-फिल) के साथ दिखाया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस आयत की व्याख्या कई लोग हवाई हमले की चेतावनी के रूप में करते हैं। मुकेश अंबानी का नाम लेकर मुनीर ने एक ऐसे व्यक्ति की ओर इशारा किया जो भारत की आर्थिक ताकत और वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रतीक है। पाकिस्तानी प्रवासियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने परमाणु हमले की धमकी भी दी, ताकि भविष्य में भारत के साथ युद्ध में उनके देश को अस्तित्व का खतरा न हो। इसके अलावा मुनीर ने भारत को परमाणु जंग की भी धमकी दी थी। मुनीर ने सिंधु जल संधि स्थगित करने को लेकर भारत पर 10 मिसाइलों से हमला कर तबाह करने की बात कही। मुनीर ने कहा, 'भारत के इसे स्थगित करने के फैसले से 25 करोड़ लोगों के भुखमरी का खतरा पैदा हो सकता है।' उन्होंने आगे कहा, 'हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं और अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे।' असीम मुनीर ने ये धमकी, टाम्पा के ग्रैंड हयात होटल में पाकिस्तान मूल के कारोबारी अदनान असद की तरफ से रखे गये एक डिनर कार्यक्रम में दी है, जिसमें करीब 120 पाकिस्तानी डायस्पोरा के सदस्य मौजूद थे। भारत ने सोमवार को पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर की परमाणु धमकी का जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा- परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हमें अपनी सुरक्षा करना आता है। किसी मित्र देश की धरती से की गई ये टिप्पणी खेदजनक है। दुनिया देख सकती है कि ऐसे बयान कितने गैरजिम्मेदाराना हैं। ये बातें उस देश पर भी शक पैदा करती हैं, जहां परमाणु हथियारों का सुरक्षित होना तय नहीं है और सेना का आतंकियों से संबंध माना जाता है। फील्ड मार्शल मुनीर अमेरिका की मध्य कमान के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला के सेवानिवृत्ति समारोह में शामिल होने फ्लोरिडा आए थे। इस समारोह में इजराइल के रक्षा बलों का एक प्रतिनिधि भी मौजूद था। यह दो महीने में उनकी अमेरिका की दूसरी यात्रा है। इससे पहले वे 14 जून को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल हुए थे। इसके अलावा मुनीर ने राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ व्हाइट हाउस में दो घंटे की लंच मीटिंग की थी। यह बैठक बंद कमरे में हुई थी। यह पहली बार था जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाकिस्तान के आर्मी चीफ की मेजबानी की। मुनीर ने भारत-अमेरिका के बीच हाल के टैरिफ तनाव पर मजाक उड़ाते हुए कहा कि पाकिस्तान को विश्व शक्तियों के बीच संतुलन बनाने की मास्टर-क्लास देनी चाहिए।

ट्रम्प बोले- भारत पर टैरिफ, रूस के लिए झटका

इस हफ्ते पुतिन से मिलेंगे, कहा- डील होगी या नहीं 2 मिनट में पता चल जाएगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर लगाए गए एक्स्ट्रा 25% टैरिफ को मॉस्को के लिए झटका बताया है। सोमवार को व्हाइट हाउस से बयान देते हुए ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका जब रूस से तेल खरीदने वाले उसके सबसे बड़े (चीन) या दूसरे सबसे बड़े (भारत) तेल खरीदार पर 50% टैरिफ लगाने की बात कहता है, तो यह रूस के लिए बड़ा झटका है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी टैरिफ ने रूस की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। ट्रम्प ने यूरोपीय नेताओं की तारीफ करते हुए कहा कि वे युद्ध से थक चुके हैं और चाहते हैं कि

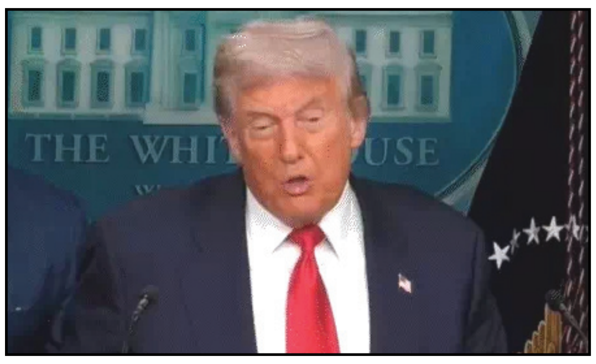

अपने देशों पर पैसा खर्च करना शुरू करें। ट्रम्प ने कहा कि उनका यूरोप के नेताओं से बेहद अच्छा रिश्ता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प 15 अगस्त को अलास्का में रूसी राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात करेंगे। इसका मकसद यूक्रेन में साढे तीन साल से चल रहे जंग को खत्म करना है। ट्रम्प और पुतिन की मुलाकात होती है तो यह पहली बार होगा जब दोनों नेता अमेरिका की जमीन पर मिलेंगे। रूस ने पहले पुतिन और ट्रम्प की मुलाकात के लिए यूएई का सुझाव दिया था। हालांकि बाद में ट्रम्प ने बैठक के लिए अलास्का को चुना। अलास्का उत्तरी ध्रुव के नजदीक कनाडा से सटी वो जगह है जो कभी रूस का हिस्सा हुआ करती थी। 158 साल पहले रूस ने इसे अमेरिका को सिर्फ 45 करोड़ रुपए में बेच दिया था। अमेरिका ने भारतीय स्टील, एल्युमिनियम और कई प्रोडक्ट्स पर 50% टैरिफ (इम्पोर्ट ड्यूटी) लगाया है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अब इसके जवाब में भारत भी चुनिंदा अमेरिकी प्रोडक्ट्स पर 50% तक टैरिफ लगाने पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो यह अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ पर भारत का पहला औपचारिक पलटवार होगा। ट्रम्प ने 31 जुलाई को सभी भारतीय प्रोडक्ट्स पर 25% टैरिफ लगाया था। इसके बाद फिर 6 अगस्त को रूस से ऑयल इम्पोर्ट को लेकर भारत पर 25% का एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था। स्टील और एल्युमिनियम विवाद फरवरी से चल रहा है, जब ट्रम्प प्रशासन ने इन मेटल्स पर 25% टैरिफ लगाया था। जून में इस ड्यूटी को बढ़ाकर 50% कर दिया गया। इससे कम से कम 7.6 बिलियन डॉलर, यानी 66,559 करोड़ रुपए के इंडियन एक्सपोर्ट पर असर पड़ा है। भारत ने वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन यानी डब्ल्यूटीओ में कहा था कि अमेरिका के कदम को 'नेशनल सिक्योरिटी' के नाम पर छिपाया गया है,

पूर्व अमेरिकी अधिकारी बोले- आसिम मुनीर सूट पहनने वाला लादेन

पीएके आर्मी चीफ ने परमाणु धमकी दी थी; बिलावल ने भी जंग की धमकी दी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी/ इस्लामाबाद, अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को सूट पहनने वाला ओसामा बिन लादेन बताया है। उन्होंने कहा कि मुनीर के परमाणु धमकी वाले हालिया बयान से पाकिस्तान गुंडा राज्य जैसा व्यवहार कर रहा है। रुबिन ने इस बयान की तुलना आतंकी संगठन आईएसआईएस और ओसामा बिन लादेन के खतरनाक बयानों से की। रुबिन ने अमेरिकी सरकार से पाकिस्तान से प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा तुरंत छीन लेने के लिए कहा है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान को आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश घोषित करने पर विचार करना चाहिए। नाटो देशों के अलावा जिन देशों के साथ अमेरिका के अमेरिका के रक्षा संबंध हैं। उन्हें वह प्रमुख प्रमुख गैर-नाटो सहयोगी का दर्जा देता है। रुबिन ने आसिम मुनीर को 'पसोर्ना नॉन ग्राटा' घोषित कर अमेरिका का वीजा देने पर पाबंदी लगाने की मांग की है। रुबिन ने यह भी कहा कि जब मुनीर ने ये बयान दिया, तो उसी वक्त उन्हें मीटिंग से बाहर निकालकर टेम्पा एयरपोर्ट भेजकर देश से बाहर कर देना चाहिए था। आसिम मुनीर की परमाणु धमकी पर भारत ने जवाब दिया। विदेश मंत्रालय ने कहा- परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। भारत न्यूक्लियर ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। हमें अपनी सुरक्षा करना आता है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भारत को युद्ध की धमकी दी है। बिलावल ने कहा है कि अगर भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित रखा तो पाकिस्तान के पास जंग के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। भुट्टो ने दावा किया कि पाकिस्तान के लोग छह नदियों को वापस लेने के लिए जंग करने में सक्षम हैं। इससे पहले आर्मी चीफ मुनीर ने भी धमकी दी थी कि अगर भारत सिंधु नदी के पानी पर कोई बांध बनाता है, तो पाकिस्तान उसे 10 मिसाइलों से उड़ा देगा। सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था।

पाकिस्तान ने भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों की गैस सप्लाई रोकी

लोकल वेंडर्स को गैस सिलेंडर न देने के निर्देश, मिनरल वाटर और न्यूज पेपर भी बंद किए

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय डिप्लोमैट्स के घरों में गैस सप्लाई बंद कर दी है। इसके अलावा स्थानीय गैस सिलेंडर सप्लायर्स को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे भारतीय राजनयिकों को सिलेंडर न बेचें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद ने मिनरल वाटर और न्यूजपेपर की सप्लाई भी रोक दी है।

पाकिस्तान ने यह फैसला भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद बदले की कार्रवाई के तौर पर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह कदम पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की योजना का हिस्सा है। इसके तहत पाकिस्तान बदले की छोटी-छोटी कार्रवाइयां कर रहा है। जवाबी कदम के तौर पर भारत ने भी दिल्ली में तैनात पाकिस्तानी राजनयिकों को अखबार पहुंचाना बंद कर दिया है। 2019 में पुलवामा हमले के जवाब में भारत की एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तानी अधिकारियों ने भारतीय डिप्लोमैट्स को इसी तरह परेशान किया था। उस समय, भारतीय उच्चायुक्त अजय बिसारिया, उप उच्चायुक्त जे.पी. सिंह, और नौसेना सलाहकार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को इस तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा था।

संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन, सफेद टी-शर्ट पहनकर जताया विरोध

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, द्रमुक के टीआर बालू, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले, साथ ही वामपंथी दलों एवं अन्य विपक्षी दलों के सदस्य संसद के मकर द्वार के पास एकत्र हुए।

एजेंसी

चुनाव आयोग तक विपक्ष के मार्च को लेकर हुए हाई-वोल्टेज ड्रामा के एक दिन बाद, इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने बिहार में कथित मतदाता धोखाधड़ी और एसआईआर अभ्यास के खिलाफ मंगलवार को अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची पुनरीक्षण की कवायद के खिलाफ मंगलवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के कई सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। इनमें से कई सांसदों ने सफेद टी-शर्ट पहनी हुई थी, जिस पर राज्य की मतदाता सूची में कथित तौर पर शामिल 124 वर्षीय एक मतदाता का नाम अंकित था। मिंता देवी उन मतदाताओं में से एक थीं जिनका ज़िक्र कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित मतदाता धोखाधड़ी के मुद्दे पर दिए गए प्रेजेंटेशन में किया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि ₹124 वर्षीय मिंता देवी₹ हाल ही में जारी बिहार की मसौदा मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाता हैं। मसौदा सूची में मिंता देवी की उम्र 124 वर्ष दर्ज है, जो दुनिया के सत्यापित सबसे बुजुर्ग व्यक्ति से नौ साल ज्यादा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन, द्रमुक के टीआर बालू, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले, साथ ही वामपंथी दलों एवं अन्य विपक्षी दलों के सदस्य संसद के मकर द्वार के पास एकत्र हुए। उन्होंने हाथों में पोस्टर लिए हुए थे और नारे लगाते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को वापस लेने की मांग की। यह विपक्षी दलों के सांसदों के संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन का 15वां दिन है। प्रदर्शनकारी सांसदों के सामने लगाए गए एक बैनर पर लिखा था हमारा वोट, हमारा अधिकार, हमारी लड़ाई। प्रदर्शनकारी सांसदों द्वारा लिए गए एक अन्य बैनर पर लिखा था एसआईआर - साइलेंट इनविजिबल रिगिंग। प्रियंका गांधी समेत कई सांसद सफेद टी-शर्ट पहने नजर आए, जिन पर मिंता देवी का नाम और उनकी तस्वीर छपी थी और पीछे 124 नॉट आउट लिखा था। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि राजीव कुमार और ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में केंद्रीय निर्वाचन आयोग भाजपा का एक विभाग बन गया है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए आरोप लगाया, मिंता देवी पहली बार मतदाता बनी हैं और उनकी उम्र 124 साल है। मतदाता सूची में उनका नाम पहली बार मतदाता के रूप में दर्ज है। हम ऐसे मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं।

जंतर-मंतर पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

राहुल गांधी के वोट चोरी आरोपों पर कार्रवाई की मांग की

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने 'हल्ला बोल मार्च' भी निकाला, जिसके दौरान कई कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। इससे पहले आज, मानसून सत्र के सत्रहवें दिन, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर संसद में विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हुए।

एजेंसी

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा आयोग पर बार-बार वोट चोरी के आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए अपने दिल्ली मुख्यालय से जंतर-मंतर तक मार्च निकाला। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने 'हल्ला बोल मार्च' भी निकाला, जिसके दौरान कई कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। कई विपक्षी सांसद '124 नॉट आउट' के नारे वाली सफेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुँचे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), सांसद सुप्रिया सुले और डीएमके सांसद कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता

विरोध प्रदर्शन के दौरान प्याज पकड़े हुए देखे गए। सोमवार को, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और अन्य भारतीय ब्लॉक सांसदों को बिहार में कथित अनियमितताओं के विरोध में संसद से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च करते समय दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस बीच, लोकसभा ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक' पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

इस विस्तार से समिति 2025 में शीतकालीन सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक अपने निष्कर्ष प्रस्तुत कर सकेगी। यह प्रस्ताव एक राष्ट्र, एक चुनाव समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी

पहले हक मारी, अब मत मारी कर रही है...

एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन (एसआईआर) को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की और सत्तारूढ़ दल पर चुनावों को प्रभावित करने के लिए षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए, अखिलेश यादव ने एसआईआर एक साल पहले भी हो सकता था, लेकिन वे वोट काटने के लिए जानबूझकर इसे अब करवा रहे हैं।

केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए:अभिषेक बनर्जी

एसआईआर विवाद के बीच ऐसा क्यों बोले टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची में त्रुटियाँ हैं, तो पूरी लोकसभा और केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के चुनाव के लिए इसी सूची का इस्तेमाल किया गया था। बनर्जी ने चुनाव आयोग पर कथित मतदाता सूची विसंगतियों पर सवालों से बचने का आरोप लगाया और गुजरात और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में एक ही मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले मतदाताओं के उदाहरण दिए। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग डरा हुआ है। पत्रकारों से बात करते हुए, अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कल दिल्ली में लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों, जिनमें कई महिला सांसद भी शामिल थीं, के साथ दिल्ली पुलिस ने जिस तरह का व्यवहार किया, उससे साफ है कि चुनाव आयोग डरा हुआ है। उनके पास हमारे सवालों का कोई जवाब नहीं है। अगर आपके पास कोई जवाब है, तो बताइए कि गुजरात और बंगाल दोनों राज्यों में एक ही मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले मतदाता कैसे हैं? अलग-अलग मतदान केंद्रों पर एक ही नाम वाले मतदाता कैसे हैं?

उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग कह रहा है कि मतदाता सूची में त्रुटि है। अगर हम मान लें कि वे सही हैं, तो इसी मतदाता सूची और मतदाता सूची के आधार पर एक साल पहले देश के प्रधानमंत्री चुने गए